धनबाद, गुरूवार
21 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 230
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

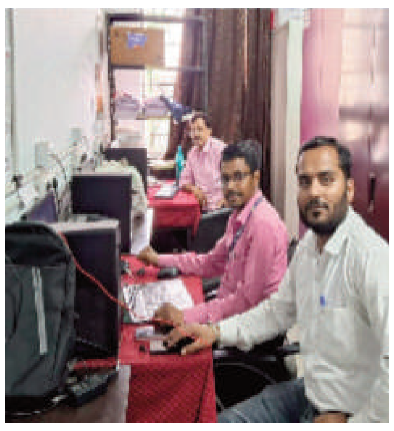

ब्रीफ न्यूज

सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर भूस्खलन

रुद्रप्रयाग(एजेंसी) : केदारनाथ यात्रा के दौरान बीती रात्रि हुई तेज बारिश के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर तीन स्थानों पर भूस्खलन होने से यात्रा मार्ग अवरुद्ध हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस एवं अन्य राहत टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से घटनास्थल का जायजा लिया। लगातार स्थिति पर नजर बनाते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों से पल-पल की जानकारी लेते रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग को जल्द से जल्द सुचारु किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन की टीमों ने कठिन परिस्थितियों के बीच 30 मिनट में मार्ग को पैदल यात्रियों के लिए खोल दिया और यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य किया। रातभर चले अभियान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी और राहत कार्य संचालित किए गए।

राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप, 18 जिलों में अलर्ट जारी

जयपुर (एजेंसी) : राजस्थान में भीषण गर्मी का कहर जारी है, जहां बीते 24 घंटों में चित्तौड़गढ़ राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा और अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने दो जिलों में भीषण लू की चेतावनी के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि 16 अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में दिन का झुलसा देने वाला तापमान और गर्म रातें लगातार लोगों को परेशान कर रही हैं।पूरे राजस्थान में कई शहरों का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जिसमें सिरोही को छोड़कर करीब सभी जिलों में दिन का तापमान 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हो रहा है। सुबह से देर शाम तक पश्चिमी और पूर्वी, दोनों हिस्सों में भीषण लू का प्रकोप बना हुआ है, जिसमें उत्तर-पश्चिमी राजस्थान सबसे अधिक प्रभावित है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन से चार दिनों तक पूर्वोत्तर और पश्चिमी राजस्थान में इसी तरह की लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। वहीं राजधानी जयपुर में लगातार दूसरे दिन भी लू का प्रकोप जारी रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी) : अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे

कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए। डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है। अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है। इसके बाद या तो युद्ध खत्म करना होता है, कांग्रेस से अनुमति लेनी होती है, या फिर सेना की सुरक्षित वापसी के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगनी होती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। व्हाइट हाउस में सांसदों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि हम उस युद्ध को बहुत जल्दी खत्म करने जा रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। वे इससे थक चुके हैं। ट्रम्प ने कहा कि ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान दे रहा है, लेकिन अमेरिका उसे परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ युद्ध रोकने से जुड़ा वॉर पावर रेजोल्यूशन आगे बढ़ाया गया है।अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने को लेकर बातचीत में सहमति नहीं बनने के बीच इजराइल एक बार फिर ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले की तैयारी में जुट गया है।

इजराइली अधिकारियों को लगता है कि अगर ईरान युद्ध खत्म करने को लेकर कोई बड़ा नया प्रस्ताव नहीं देता, तो ट्रम्प आखिरकार सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुन सकते हैं।

बिहार कैबिनेट के बड़े फैसले: गया से बैंकॉक फ्लाइट, कैमूर में पावर प्लांट और सहरसा में स्टेडियम को मंजूरी

पटना (एजेंसी) : बिहार कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में राज्य के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट ने कुल 13 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें एयर कनेक्टिविटी, खेल सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, ऊर्जा क्षेत्र और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े बड़े निर्णय शामिल हैं। सरकार ने इन फैसलों को बिहार के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।कैबिनेट बैठक में गया से बैंकॉक के बीच सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा शुरू करने का फैसला लिया गया। सरकार इस सेवा के संचालन के लिए एयरलाइन कंपनी को आर्थिक सहायता देगी। जानकारी के अनुसार इंडिगो एयरलाइन जल्द इस सेवा की शुरूआत कर सकती है। बिहार सरकार प्रत्येक फ्लाइट पर सिविल एविएशन विभाग के माध्यम से 10 लाख रुपये तक का सहयोग देगी। इससे पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कैमूर जिले की ईएसई एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना का लाभ देने की मंजूरी दी गई। वहीं

नालंदा की पटेल वेयरहाउसिंग कंपनी को भी औद्योगिक प्रोत्साहन योजना में शामिल किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे राज्य में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए भी अहम फैसले लिए गए हैं। सहरसा के सलखुआ में आउटडोर स्टेडियम निर्माण के लिए 6.61 एकड़ जमीन खेल विभाग को हस्तांतरित की जाएगी। इसके अलावा अरवल और औरंगाबाद के देव क्षेत्र में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए भी जमीन उपलब्ध कराई गई है। सरकार का दावा है कि इससे ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिलेगा।स्वास्थ्य सेवाओं को पंचायत स्तर तक मजबूत करने के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत 747 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की गई है। इस राशि का उपयोग ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे के विकास में किया जाएगा।इसके अलावा गया जिले की डोभी जलाशय परियोजना के लिए 428 करोड़ रुपये से अधिक की योजना को मंजूरी दी गई है। इससे सिंचाई और जल संरक्षण को लाभ मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट ने ह्ययंग प्रोफेशनल नीति-2026ह्व लागू करने का भी फैसला किया है, जिसके तहत विभिन्न विभागों में युवा विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी।

उद्योग विभाग की ओर से सीएसआर कॉनक्लेव का आयोजन

रांचीः- उद्योग मंत्री श्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि सीएसआर फंड की राशि प्रभावित क्षेत्र के लोगों के विकास कार्यों में खर्च करें। इसे संबंधित कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि फैक्ट्री और माइन्स के क्षेत्र में प्रदूषण, भूमि आदि से प्रभावित लोगों को सीएसआर फंड का सीधा - सीधा लाभ पहुंचे।लोगों को विश्वास हो की सीएसआर फंड से उनकी स्थिति में सुधार होगा । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की प्राथमिकता राज्य और राज्य के लोगों का विकास है और कंपनी द्वारा सीएसआर फंड का उपयोग शत-प्रतिशत इनके विकास कार्यों में खर्च किया जाना चाहिए । वे बुधवार को रांची के एक स्थानीय होटल में आयोजित सीएसआर कॉनक्लेव 2026 को संबोधित कर रहे थे ।

मंत्री श्री संजय प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार और कॉर्पोरेट मिलकर राज्य के लोगों के हित में काम कर सकते हैं। सीएसआर राशि के उपयोग से रोजगार के अवसर सृजित किए जा सके हैं। स्वास्थ्य , शिक्षा, कुटीर उद्योग से लोगों को लाभ पहुचा सकते हैं। मंत्री जी ने सुझाव दिया कि फैक्ट्री और माइन्स से प्रभावित क्षेत्र में लोगों को विवाह कार्यक्रम में विवाह भवन

की आवश्यकता होती है ,सीएसआर फंड से इसकी व्यवस्थता कर उन्हें आर्थिक मदद की जा सकती है। इसी तरह अन्य जरूरतों को ध्यान में रख कर सीएसआर की राशि का उपयोग करें। सीएसआर फंड की होगी मॉनिटरिंगश्री संजय प्रसाद यादव ने सीएसआर फंड की मॉनिटरिंग की जरूरत बतायी ताकि सरकार को मालूम हो कि किस क्षेत्र में कितना खर्च किया जा रहा है । उन्होंने कहा की जल्द ही मॉनिटरिंग सेल की व्यवस्था की जाएगी । उन्होंने कहा की बड़ी कंपनियाँ अच्छा कर रही है । छोटी कंपनियों को भी इनका अनुसरण करना चाहिए। राज्य सरकार , राज्य में उद्योगों को बढ़वा देने के लिए कृतसंकल्प है। राज्य में उद्योग लगाने के लिए उद्योग विभाग हर तरह की सहायता मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है ।

कॉनक्लेव के माध्यम से सीएसआर को विस्तार से समझने में मिलेगी मददउद्योग सचिव श्री अरवा राजकमल ने कहा कि सीएसआर के बारे में विस्तृत चर्चा के लिए विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ यह कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है। सीएसआर क्या है, इसकी लिमिट क्या है और सीएसआर संबंधित क्षेत्रों के लोगों की प्राथमिकताओं को ध्यान में सीएसआर की राशि को खर्च करना है। कॉनक्लेव में हमलोग सीएसआर की प्राथमिकताओं , प्लानिंग और लोकल नीड्स की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर चर्चा करेंगे ताकि इसके सकारात्मक परिणाम निकलें। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन लोगों की प्राथमिकताओं और कंपनी के बीच के गैप को पाटने का का काम करेगा । कॉनक्लेव के माध्यम से सीएसआर को विस्तार से समझने में मदद मिलेगी कि कौन कौन सी कंपनी इसके दायरे में आएगी । कितना खर्च करना है। उद्योग निदेशक श्री विशाल सागर ने कहा कि माननीय मंत्री श्री संजय प्रसाद यादव के प्रयास से सीएसआर कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है।

विकेन्द्रित उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलती है मजबूती: कल्पना सोरेन

यह मॉड्यूल हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और लघु उद्योग–में भी लागू किया जाना चाहिए

रांची। गांडेय की विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विचारोत्तेजक पोस्ट साझा करते हुए ह्लसंघे शक्ति कलियुगेह्व की अवधारणा को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संदेश में श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ के उदाहरण का उल्लेख करते हुए इसे महिलाओं की सामूहिक शक्ति, आत्मविश्वास और सहयोग का जीवंत प्रतीक बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि महिला एवं बाल विकास समिति, झारखण्ड विधानसभा के महाराष्ट्र एक्सपोजर विजिट के दौरान बीते दिन मुंबई स्थित डब्बावाला इंटरनेशनल एक्सपीरियंस सेंटर जाने का अवसर मिला। लगभग 135 वर्षों से अपनी मेहनत, अनुशासन और समयबद्ध सेवा के लिए विश्वभर

में पहचान बना चुके मुंबई के डब्बावालों की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर बेहद प्रेरणादायक रहा।

विदित हो कि गांडेय से विधायक श्रीमती कल्पना मुर्मू सोरेन झारखंड विधानसभा की महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति हैं. झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो द्वारा राज्य की संसदीय समितियों के पुनर्गठन के दौरान उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी.अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि लिज्जत पापड़ केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण का सशक्त आंदोलन है, जिसने लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकार के सहकारी मॉडल समाज में आर्थिक और सामाजिक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।विधायक ने डिस्ट्रिब्यूटेड प्रोडक्शनह्व यानी विकेन्द्रित उत्पादन प्रणाली को विशेष रूप से सराहा। उनके अनुसार, यह मॉडल महिलाओं को अपने घर या स्थानीय स्तर पर रहकर काम करने की सुविधा देता है, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बन पाती हैं। साथ ही, यह स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने का भी प्रभावी माध्यम है।

कल्पना सोरेन ने अपने संदेश में यह भी कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गृह एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि लिज्जत पापड़ जैसे सफल मॉडलों को अन्य क्षेत्रों–जैसे हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और लघु उद्योग–में भी लागू किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

उन्होंने विधायक ने डिस्ट्रिब्यूटेड प्रोडक्शनह्व यानी विकेन्द्रित उत्पादन प्रणाली को विशेष रूप से सराहा। उनके अनुसार, यह मॉडल महिलाओं को अपने घर या स्थानीय स्तर पर रहकर काम करने की सुविधा देता है, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बन पाती हैं। साथ ही, यह स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने का भी प्रभावी माध्यम है।

मेटा ने किया हजारों कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान, एआई का असर

नई दिल्ली,(एजेंसी) : मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया। इसकी वजह एआई के कारण संगठन का पुनर्गठन है। इसकी जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई। फेसबुक की पेरेंट कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके करीब 10 फीसदी कर्मचारियों के प्रभावित होने और भूमिकाओं में बदलाव होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक इंटरनल मेमो में मेटा की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-केंद्रित नई भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की योजना का जिक्र किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में मेटा की एचआर चीफ जेनेल गेल ने कहा कि कई टीमों को एआई-आधारित सिद्धांतों के आधार पर पुनर्गठित किया जा रहा है ताकि सरल संरचनाएं और छोटे समूह बनाए जा सकें जो ज्यादा जिम्मेदारी के साथ तेजी से काम किया जा सके। गेल ने कहा कि बदलावों पर काम करते हुए कई टीमों ने एआई-आधारित डिजाइन सिद्धांतों को अपनी नई संगठनात्मक संरचनाओं में शामिल किया।

रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी अमेरिकी कर्मचारियों को भी छंटनी के प्रभावी होने वाले दिन घर से काम करने के लिए कहा गया था, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका पालन मेटा ने पिछली छंटनी घोषणाओं के दौरान भी किया था। यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब मेटा एआई बुनियादी ढांचे पर खर्च में काफी बढ़ोतरी कर रहा है। इसके अलावा कंपनी ने 2026 के लिए 125 अरब डॉलर से 145 अरब डॉलर के बीच पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है, जो मुख्य रूप से एआई डेटा केंद्रों, कस्टम चिप्स और मॉडल प्रशिक्षण पर केंद्रित है। सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कर्मचारियों को बताया कि एकत्रित डेटा का उद्देश्य केवल एआई प्रणालियों को बेहतर बनाना है, न कि निगरानी करना।

तमिलनाडु में वामपंथियों की धमकी पर टीवीके का जवाब, सहयोगियों को दिया न्यौता

चेन्नई,(एजेंसी) : तमिलनाडु में मुख्यमंत्री थलपति विजय की सरकार कैबिनेट विस्तार को लेकर एक नई चुनौती का सामना कर रही है। वामपंथी दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) ने धमकी दी है कि यदि अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया, तब वहां अपना समर्थन वापस ले लेगी। इसके जवाब में, पीडब्ल्यूडी मंत्री आधव अजुर्ना ने इन अटकलों को पूरी तरह खारिज किया, जिसमें दावा किया जा रहा था कि विजय सरकार में अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों को जगह मिल सकती है। खेल मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे अजुर्ना ने प्रेसवार्ता कर स्थिति स्पष्ट की। अजुर्ना ने साफ किया कि सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों ने लोकतंत्र को बचाने और ईपीएस की गलत नीतियों के विरोध में टीवीके सरकार को समर्थन दिया है, न कि सत्ता या मंत्री पद के लिए ऐसा किया है।

इसी दौरान, अजुर्ना ने सरकार में शामिल अपने सहयोगी दलों सीपीआई, सीपीएम, थोल थिरुमावलवन की वीसीके (वीसीके) और आईयूएमएल (आईयूएमएल) को कैबिनेट में सीधे शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विजय का यह सपना और इच्छा है कि सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में शामिल कर सत्ता साझा की जाए। अजुर्ना ने पुष्टि की कि गठबंधन की सबसे बड़ी सहयोगी कांग्रेस जल्द ही कैबिनेट विस्तार के तहत सरकार में शामिल होगी।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु में कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीएम और मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार बनाई है। हालांकि, बीते हफ्ते हुए बहुमत परीक्षण के दौरान अन्नाद्रमुक के प्रमुख एडप्पादी के.पलानीस्वामी (ईपीएस) के खिलाफ जाकर पार्टी के 25 बागी विधायकों ने विजय सरकार के पक्ष में मतदान किया था। इसी घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में अफवाह फैल गई थी कि इन 25 बागी विधायकों को खुश करने के लिए आगामी कैबिनेट विस्तार में मंत्री पद दिया जा सकता है।इस खबर से वामपंथी दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) नाराज हो गई थी और उसने साफ शब्दों में चेतावनी दी थी। सीपीएम के सचिव पी. शन्मुगम ने कहा था कि अगर अन्नाद्रमुक के किसी भी धड़े या दक्षिणपंथी झुकाव वाले नेताओं को सरकार का हिस्सा बनाया गया, तब पार्टी अपने समर्थन पर पुनर्विचार कर सकती है।

देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है, इसका असर आम जनता पर पड़ेगा

रायबरेली,(एजेंसी) : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली के लोधवारी गांव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरा पासी की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर आयोजित बहुजन स्वाभिमान सभा में केंद्र सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश जल्द आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है और इसका सबसे ज्यादा असर आम जनता पर पड़ेगा। राहुल ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान टकराव के कारण वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ है।उन्होंने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित होने से तेल और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी, जिससे आने वाले समय में महंगाई बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, गैस और रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी होने वाली हैं। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार आम लोगों की समस्याओं से दूर है। जब आर्थिक हालात बिगड़ेंगे, तब जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। राहुल गांधी ने संविधान और सामाजिक समानता का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वीरा पासी और भीमराव

अम्बेडकर ने समानता और अधिकारों की लड़ाई लड़ी थी।

उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में हर नागरिक एक समान है। हर व्यक्ति को अपने परिश्रम का पूरा फल मिलना चाहिए और सभी को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। यह देश सबका है, किसी एक जाति या संगठन का नहीं। यही बात हमारा संविधान भी कहता है।

उन्होंने कहा कि संविधान देश की जनता की आवाज है और उसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। सभा में राहुल गांधी ने हाथ में संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा कि सिर्फ नारों से कुछ नहीं होगा। बदलाव और अधिकारों की रक्षा संविधान को बचाने से ही होगी। राहुल ने आरोप लगाया कि आरएसएस और बीजेपी संविधान की मूल भावना को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की रक्षा जरूरी है।

राहुल गांधी ने भरतगंज बाजार में लोगों की भीड़ देखकर अपना काफिला रुकवाया। वह वाहन से उतरकर लोगों से मिले, हालचाल जाना और अभिवादन स्वीकार किया। लोगों ने उन्हें फूल और गुलदस्ते भेंट किए। इससे पहले राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं और लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। वहीं, अमेठी क्षेत्र में कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा को लेकर पोस्टरबाजी भी देखने को मिली, जिसमें उनके कार्यकाल की तुलना पूर्व सांसद के कार्यों से की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

जीई एयरोस्पेस के नए निवेश से मैन्युफैक्चरिंग, तकनीक और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः जीई एयरोस्पेस ने अपने पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार यह निवेश आधुनिक वेल्डिंग तकनीक, एडवांस जांच उपकरण, प्रिसीजन टूल्स, गेजेस, फिक्स्चर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड पर किया जाएगा, जिससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। पिछले तीन वर्षों में कंपनी का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जीई एयरोस्पेस के पुणे मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र के प्रबंध निदेशक विश्वजीत सिंह ने कहा कि यह निवेश भारत के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में भारतीय इकाई की मजबूत भूमिका को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार, अप्रेंटिसशिप और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर भी बढ़ेंगे। कंपनी का पुणे संयंत्र वाणिज्यिक विमान इंजनों के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का निर्माण करता है और भारत में 2,200 से अधिक सप्लायर नेटवर्क के साथ काम करता है, जिनमें 300 से अधिक स्थानीय सप्लायर्स शामिल हैं। जीई एयरोस्पेस के अनुसार उसके दो वर्षीय अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के तहत हर साल 500 से अधिक युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है और अब तक 5,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। कंपनी ने कहा कि भारत में बढ़ता निवेश मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और सप्लाई चेन विकास को मजबूती देने के साथ भविष्य की एयरोस्पेस तकनीक को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

मोहनपुर में ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार, नेटवर्क का खुलासा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : मोहनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दहीजोर-लेटवावरण मार्ग स्थित तिराहा मोड़ के समीप पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में की गयी।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बरमसिया सर्कुलर रोड निवासी गौतम महथा उर्फ गौतम चौधरी (26) ब्राउन शुगर बेचने के उद्देश्य से ग्राहकों का इंतजार कर रहा है।सूचना के सत्यापन के बाद छापामारी कर उसे मौके पर ही 8.43 ग्राम ब्राउन शुगर व एक मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।मामले में मोहनपुर थाना कांड संख्या 77/26 दर्ज कर एनडीपीएस अधिनियम सहित अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी।पूछताछ के दौरान आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर पुलिस ने ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले सप्लायर फिरोज अंसारी उर्फ गुड्डू (सिंघनी, हंसडीहा, दुमका) को भी गिरफ्तार कर लिया।दोनों आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में संगठित रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते हैं।गौतम महथा के विरुद्ध पूर्व में जिले के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट व अन्य आपराधिक मामलों में पांच अलग अलग कांड दर्ज हैं।छापामारी दल में एसडीपीओ सहित मोहनपुर थाना, बाबा मंदिर थाना एवं तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

ऑनलाईन दवा बिक्री के खिलाफ हुए आंदोलन के तहत बंद रही सरायकेला जिला मुख्यालय की दवा दुकानें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोशिएसन सरायकेला खरसावां जिला शाखा के आवहान पर जिला के सभी मेडिकल दुकानें बुधवार को बंद रही। जिला मुख्यालय सरायकेला में भी बंद को जबरदस्त समर्थन मिला और सभी मेडिकल दुकानें बंद रही। अपने तीन सूत्री मांगों को लेकर आयोजित आंदोलन के तहत एसोशिएससन ने ऑनलाईन दवा की बिक्री बंद करने, कड़रपोरेटस द्वारा भारी डिस्काउंट में दवा की बिक्री बंद करने व नकली दवाओं पर कठोर कारवाई करने की मांग किया गया है। एसोशिएसन ने कहा कि इस बंद का उद्देश्य दवा व्यापार एवं मरीजों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर सरकार एवं प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना था।एसोशिएसन का कहना है कि अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री से मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है तथा छोटे और मध्यम स्तर के दवा व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं।एसोशिएसन के पदाधिकारियों ने कहा कि दवा कोई सामान्य वस्तु नहीं है, बल्कि यह सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा विषय है, बिना उचित जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श के दवाइयों की ऑनलाइन उपलब्धता भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है, साथ ही बड़े कॉपोरेट समूहों द्वारा भारी छूट देकर बाजार व्यवस्था को प्रभावित किया जा रहा है, जिससे छोटे व्यवसायियों के समक्ष अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।दवा दुकानदारों द्वारा दुकानें बंद रखते हुए एसोशिएसन द्वारा जारी पोस्टर को लगाया गया।

जिला मुख्यालय सहित सभी मेडिकल दुकानें बंद रहने से दवा के लिए मरीजों के परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, पर्ची ले कर मरीज के परिजन भटकते रहे।हालांकि क्लिनिक व नर्सिंग होम में अवस्थित दवा दुकानें खुली रहने से लोगों को राहत मिली और लोग वहां से दवा प्राप्त किये।दवा दुकानों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन मरीजों की सुविधा को देखते हुए आपातकालीन नंबर जारी किया था जिसमें प्रत्येक क्षेत्र से एक एक मेडिकल स्टोर का नंबर जारी किया गया था ताकि मरीजों के परिजनों को जीवन रक्षक दवा सहित आपात स्थिति में दवा उपलब्ध हो सके।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत, चालक पर मामला दर्ज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पबिया गांव से आगे पेट्रोल पंप के समीप सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मामले को लेकर नारायणपुर थाना में कांड संख्या 57/2026 दर्ज किया गया है।यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 एवं 106(1) के तहत दर्ज किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान करमाटांड़ थाना क्षेत्र के दूधानी गांव निवासी राजामनी मंडल के रूप मे हुई थी।घटना 12 मई 2026 की बताई जा रही है।मृतक के पुत्र दीपक मंडल का आरोप है कि आरोप है कि बिना नंबर के महिंद्रा ट्रैक्टर के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए धक्का मार दिया था जिससे युवक की मौत हो गई थी।थाना पुलिस ने ट्रैक्टर के चेसिस नंबर और इंजन नंबर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।कांड के अनुसंधानकर्ता एसआई राजेश्वर यादव बनाए गए हैं।समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

झारखंड में बढ़ेगा हवाई नेटवर्क, चार-पांच नये एयरपोर्ट बनाने की चल रही कवायद : राममोहन नायडू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की अवधारणा बदली है। अब लोग ट्रेन की जगह एयरपोर्ट की मांग कर रहे हैं, क्योंकि एयरपोर्ट का मतलब केवल कनेक्टिविटी नहीं, बल्कि रोजगार और विकास है। श्री किंजरापू ने यह बातें बुधवार को रांची दौरे के क्रम में कही। उन्होंने झारखंड के हवाई बुनियादी ढांचे के विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की हैं।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि झारखंड के पांच सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में एयरपोर्ट की मांग की है। सरकार राज्य में चार से पांच नये एयरपोर्ट खोलने पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने धनबाद और डालटनगंज जैसे स्थानों का जिक्र करते हुए कहा कि तकनीकी व्यवहार्यता (टेक्निकल फिजिब्लिटी) अध्ययन के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जायेगा, लेकिन केंद्र सरकार इस दिशा में पूरा प्रयास कर रही है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची के विकास पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में यहां यात्रियों की संख्या 17 लाख से बढ़ कर 27 लाख तक पहुंच गयी है।रांची एयरपोर्ट को राजधानी के अनुरूप और अधिक सुविधा संपन्न बनाने के लिए कई कदम उठाये जा रहे हैं।टर्मिनल बिल्डिंग का विस्तार और एयरक्राफ्ट के लिए नये पार्किंग स्लॉट्स का निर्माण कराया जा रहा है। रांची को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की मांग पर काम चल रहा है, ताकि लोगों को वैश्विक कनेक्टिविटी मिल सके। कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नाइट लैंडिंग की सुविधा जल्द उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।उड़ान स्कीम के तहत यात्रियों के लिए सस्ते खानपान की व्यवस्था और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अवसर शॉप की शुरूआत की जा रही है। यह पूछे जाने पर कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण में जमीन अधिग्रहण बाधक बन रही है? इस पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के प्रयासों लगभग 300 एकड़ जमीन, इसमें रक्षा विभाग की 50 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। जमीन अधिग्रहण के साथ ही एयरपोर्ट के विस्तारीकरण का रास्ता साफ हो जायेगा।मंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि दो साल पहले मंत्री बनने से पहले मैं 10 साल तक सांसद रहा।पहले लोग ट्रेन और स्टॉपेज की मांग करते थे, लेकिन अब देश इतना बदल गया है कि हर जगह से नये एयरपोर्ट की मांग उठती है।उन्होंने कहा कि पहली बार झारखंड आये।स्कूटी से शहर को देखने का मौका मिला। यह का लोग व वातावरण काफी अच्छा है।

किसानों की मांगों को लेकर भाजपा का राजनगर में धरना, 12 सूत्री मांग पत्र सौंपा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : जिला अंतर्गत राजनगर प्रखंड मुख्यालय परिसर में किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर भाजपा ने बुधवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया।कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता राजनगर पूर्वी मंडल अध्यक्ष उज्जवल मोदक, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष मनसा लोहार एवं मध्य मंडल अध्यक्ष सुखदेव गौड़ ने की।धरना-प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं ने राज्यपाल के नाम 12 सूत्री मांग पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपने पहुंचे, लेकिन बीडीओ की अनुपस्थिति में ज्ञापन अंचलाधिकारी को सौंपा गया।ज्ञापन में धान खरीद का बकाया भुगतान शीघ्र करने, किसानों की ऋण माफी योजना की सीमा 50 हजार रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने, किसानों को सब्सिडी पर समय पर खाद, बीज एवं कृषि उपकरण उपलब्ध कराने, सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, 450 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, 3200 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद के चुनावी वादे को पूरा करने तथा ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का उचित मुआवजा देने की मांग की गई।धरना को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत से ही देश की खाद्य व्यवस्था चलती है। उन्होंने कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का वादा किया गया था, लेकिन आज तक किसानों को इसका लाभ नहीं मिला।पूर्व विधायक अनंत राम टुडू ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। यदि किसानों की मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा आंदोलन को और तेज करेगी। वहीं रमेश हांसदा ने राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार पर चिंता जताते हुए कहा कि किसान अपनी समस्याओं को लेकर दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

साहिबगंज के रांगा मे अवैध मिनी गन फैक्ट्री को बुलडोजर चलाकर पुलिस प्रशासन ने किया जमींनदोज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : जिले के रांगा थाना क्षेत्र के केंदुआ आमगाछी में बीते 8 मई को पुलिस ने अवैध मिनी गन फैक्ट्री में छापेमारी कर 18 अर्ध निर्मित हथियार और हथियार बनाने का सामान मशीन को जिस घर से बरामद किया बुधवार को साहेबगज पुलिस प्रशासन वहां जेसीबी के साथ पहुंच कर घर को जमींनदोज कर दिया है। अवैध हथियार के खरीद बिक्री और बनाने की मिनी फैक्ट्री के खिलाफ साहेबगंज पुलिस प्रशासन की यह बड़ी कार्रवाई है।अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री पर बुलडोजर चलाकर उसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह फैक्ट्री लंबे समय से इलाके में संचालित हो रही थी और यहां तैयार किए गए हथियार बिहार और बंगाल में सप्लाई किए जाते थे। छापेमारी से पहले पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था।उसी के निशानदेही पर साहिबगंज पुलिस यहां पहुंची थी जिसमें बिहार की पुलिस भी साथ मौजूद थी।अवैध गन फैक्ट्री को जेसीबी मशीन से जमींदोज कर दिया गया है तथा बाउंड्री वॉल सहित पूरे घर को को गिरा दिया गया ताकि दोबारा वहां किसी तरह की गैरकानूनी गतिविधि संचालित न हो सके। कार्रवाई देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध और अवैध हथियारों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया और कहा कि इलाके में अवैध हथियारों के कारण डर और असुरक्षा का माहौल बना रहता था। फैक्ट्री ध्वस्त होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पीवीटीजी परिवारों तक पहुँची योजनाओं की सौगात, बूटबेरिया पंचायत में विशेष शिविर आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : बूटबेरिया पंचायत अंतर्गत धोबना गांव में बुधवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से पीवीटीजी परिवारों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ प्रदान किया गया।शिविर में पहुंचे ग्रामीणों को पेंशन, राशन, आवास योजना, विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र, ऑनलाइन लगान रसीद समेत अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।साथ ही जरूरतमंद लोगों के आवेदन एवं समस्याओं का भी निष्पादन किया गया।अधिकारियों ने बताया कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही शिविर का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में ग्रामीणों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली।

किसान जिविका के लिए आत्मनिर्भर बनने के लिए करें खेती:सोनाराम बोदरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : मौसम विभाग द्वारा संभावित अलनिनो का असर होने की अंदेशा के साथ ही कृषि विभाग इससे निपटने को लेकर तैयारी शुरू कर दिया है। विभाग किसानों को आधूनिक तकनिक से जहां खेती करने के लिए प्रेरित कर रहा है वहीं मौसम विभाग के संभावित अंदेशा से अवगत कराते हुए वैसे फसल जो कम सिंचाई में हो सके वैसे किस्म के बीजों की बुआई करने हेतु किसानों को प्रोत्साहित कर रहा है। इसी कडी में सरायकेला के टाउन हॉल में बुधवार को जिला स्तरिय खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जिला भर से किसान भाग लिए और खेती के आधूनिक तकनिक से रू ब रू हुए।कार्यशाला में केवीके वैज्ञानिक गोदरा मार्डी ने किसानों को आधुनिक खेती करने के तौर तरिके से अवगत कराया।खरीफ कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद के अध्यक्ष सोनाराम बोदरा उपस्थित थे।कार्यशाला को संबोधित करते हुए बोदरा ने कहा कि जब किसान आत्मनिर्भर बनेंगे तो जिला, राज्य व देश समृद्ध होगा। किसान खेती सिर्फ जीवीका के लिए नही करें अपितु आत्मनिर्भर बनने के लिए करें। क्षेत्र के अधिकांश किसान सिर्फ खरीफ खेती करते हैं लेकिन रबि फसल भी करें ताकि आपके आय में वृद्धि होगी व आप आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने

किसानों को कहा कि समय के बदलाव जरूरी है पहले हम पुरानी पद्धिति से खेती करते थे अब कई तकनिक आ गयी हम उन तकनिक के सहयोग से वैज्ञानिक विधि से खेती करेंगे ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकेंगे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीसी रीना हांसदा ने कहा कि जिला के किसान खेती के लिए बारीश के पानी पर निभर रहते हैं। बारीश अच्छी हुई तो खेती हुई वरना सुखाड़ का सामना किसानों को करना पड़ता है।डीडीसी ने कहा कि इस वर्ष अलनिनो का असर होने का अंदेशा है, अलनिनो भारत में रेनफॉबल को प्रभावित करता है।हो सकता है समय पर बारीश नही हो या पहले बारीश हो जाय इसकी संभावना अधिक होती है।उन्होंने किसानों को विजन के साथ खेती करने की बात कहते हुए कहा कि अब क्लाईमेट शिफ्ट हो गया है।पहले था कि मई जून में बुआई करना है और अक्टुबर तक कटाई करना रहता था लेकिन अब यह बदल गया है।कार्यक्रम को जिला कृषि पदाधिकारी रोशन नीलकमल ने भी संबोधित करते हुए किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया साथ ही आधुनिक तकनिक से खेती करने हेतु प्रेरित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप जला कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना पदाधिकारी विजय कुमार सिंह ने किया। मौके पर जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ रामचंद्र गोदले, गव्य विकास पदाधिकारी चंदन गोविंद देव, भूमि संरक्षण पदाधिकारी रियाज अंसारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी राजकुमार, सहकारिता पदाधिकारी जगमनी टोप्नो, केवीके के डॉ गोदरा मार्डी सहित अन्य उपस्थित थे।कार्यशाला में किसान समृद्धि योजना के तहत दो लाभूक चंद्रमोहन मुंडा व गोपाल सिंह मुंडा को सोलर आधारित पंप सेट दिया गया वहीं सात लाभूकों में छह लाभूकों को एक एक लाख व एक लाभूक को पचास हजार का केसीसी दिया गया।

उपायुक्त पहुंचे तेतरडीपा गांव, कोरवा जनजाति ने पानी-बिजली मांग रखी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : उपायुक्त दिलेश्वर महतो अधिकारियों के साथ बुधवार को घटगांव पंचायत के तेतरडीपा गांव पहुंचे।यह गांव पहाड़ पर बसा है।यहां कोरवा जनजाति के लोग निवास करते हैं।दौरा के क्रम में उपायुक्त ने जनजातीय गरिमा उत्सव जनभागीदारी अभियान में भाग लिया। जहां उपायुक्त ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद करते हुए गांव में संचालित विकास योजनाओं एवं आधारभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि गांव में 17 घर एवं 21 परिवार है।गांव में 72 लोग निवास करते हैं।ग्रामीणों ने उपायुक्त ने समक्ष गांव की प्रमुख समस्या पेयजल एवं बिजली से अवगत कराया। जिसपर उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर पेयजल समस्या का समाधान सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया। साथ ही जिन घरों तक अब तक नल-जल कनेक्शन नहीं पहुंचा है। वहां शीघ्र टैप वाटर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बिरसा आवास योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लाभुकों से आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने का अनुरोध किया। वहीं ग्रामीणों ने डाकिया योजना एवं पेंशन योजना के संबंध में बताया कि अधिकांश परिवारों को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। जिसपर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शेष छूटे हुए पात्र लाभुकों का सर्वे कर उन्हें भी योजनाओं से आच्छादित किया जाये।इसके साथ ही उपायुक्त ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष बल देते हुए पंचायत सचिव को गांव के शिक्षित युवाओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुसार उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जा सके। कहा कि ऐसे रोजगार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जाये, जिन्हें ग्रामीण निरंतर रूप से संचालित कर सके। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा में उपायुक्त ने अब तक जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बना है, उनकी समस्याओं का समाधान कर शीघ्र कार्ड निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।वहीं गांव में खराब पड़े सोलर लाइट एवं सोलर ग्रिड की स्थिति देखते हुए उपायुक्त ने कहा कि खराब सोलर लाइटों की मरम्मत शीघ्र करायी जायेगी तथा पुराने एवं खराब सोलर ग्रिड को बदलते हुए नया सोलर सिस्टम स्थापित किया जायेगा। उपायुक्त ने इस संबंध में जिला योजना पदाधिकारी को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।साथ ही इच्छुक ग्रामीणों को बकरी पालन योजना से जोड़ने, आंगनबाड़ी केंद्र में वायरिंग कार्य कराने तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इसके पश्चात उपायुक्त ने सारू डैम का भी निरीक्षण किया तथा जलस्त्रोत से खेतों तक सिंचाई व्यवस्था का अवलोकन किया।मौके पर एसी शशिंद्र कुमार बड़ाइक, सीएस डॉक्टर शंभूनाथ चौधरी, एसडीओ राजीव नीरज, डीएसडब्ल्यूओ आरती कुमारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी आशीष प्रताप, पीएचइडी के इइ अनुज कुमार मिश्रा, बीडीओ अशोक कुमार चोपड़ा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

डीसी ने बिरहोर गांव और जलापूर्ति योजना का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : उपायुक्त ऋतुराज ने बुधवार को पतरातू प्रखंड के कोतो पंचायत स्थित बिरहोर बस्ती का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित सरकारी योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बिरहोर परिवारों के आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा राशन वितरण व्यवस्था का जायजा लिया।ग्रामीणों से बातचीत कर उन्होंने योजनाओं के लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त की। कई ग्रामीणों ने अपनी स्थानीय समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं, जिस पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बिरहोर समुदाय के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में विशेष पहल करने की आवश्यकता बताई। साथ ही पात्र लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया।बिरहोर बस्ती पहुंचने पर मुखिया प्रतिनिधि जय प्रकाश सिंह ननकी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपायुक्त का स्वागत किया। इस दौरान पंचायत क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया गया।इसके बाद उपायुक्त ने टोकीसूद जलापूर्ति योजना का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की।उन्होंने पाइपलाइन विस्तार, जल भंडारण एवं रेट्रोफिटिंग कार्यों की जानकारी लेते हुए लंबित कार्यों को 15 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया।उन्होंने कहा कि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।इसी क्रम में उपायुक्त ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय डाड़ीडीह का औचक निरीक्षण किया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बंद रहीं जिले की 400 से अधिक मेडिकल दुकानें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : ऑनलाइन दवा बिक्री और नियमों में असमानता के विरोध में बुधवार को रामगढ़ जिले की मेडिकल दुकानें बंद रहीं।ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर झारखंड केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले यह बंदी की गयी।जिले में करीब 85 होलसेल और लगभग 400 खुदरा मेडिकल स्टोर बंद रहे।एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष शालिग्राम सिंह ने बताया कि ऑनलाइन कंपनियों को नियमों में रियायत दी जा रही है, जबकि ऑफलाइन मेडिकल दुकानों पर कड़ी पाबंदियां लागू हैं। उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की उचित सहमति के ऑनलाइन दवाएं लोगों तक पहुंच रही हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है. वहीं ऑफलाइन मेडिकल दुकानों को सख्त नियमों का पालन करना पड़ता है।एसोसिएशन के सदस्यों ने कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा दवाओं पर दिये जा रहे भारी डिस्काउंट को बंद करने की मांग की।साथ ही नकली दवाइयों के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए देश को फर्जी और नकली दवाओं से बचाने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की गयी।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ऑफलाइन मेडिकल दुकानों की निगरानी

और जांच की जाती है, उसी प्रकार ऑनलाइन दवा कंपनियों पर भी समान नियम लागू होने चाहिए। एसोसिएशन ने ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण छोटे मेडिकल कारोबारियों पर पड़ रहे असर को भी प्रमुख मुद्दा बताया।शालिग्राम सिंह ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए प्रशासन के सहयोग से प्रखंडवार मोबाइल नंबर जारी किये गये हैं और दो-दो लोगों को जिम्मेदारी दी गयी है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को दवाइयों की सुविधा उपलब्ध करायी जा सके।उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों, निजी अस्पतालों और अस्पताल परिसरों में संचालित मेडिकल स्टोर खुले हैं।एसोसिएशन के अनुसार इस सांकेतिक बंदी से रामगढ़ जिले में लगभग एक करोड़ रुपये के दवा कारोबार पर असर पड़ा है। संगठन ने कहा कि आगे की रणनीति और निर्णय केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लिया जायेगा।बंदी को सफल बनाने में कार्यकारी अध्यक्ष शालिग्राम सिंह, सचिव श्रवण कुमार अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, इंदुभूषण शर्मा, आलोक कुमार सिंह, विमलेश सिंह, संदीप यादव, महेश अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, अवध बिहारी सिंह, सत्येंद्र सिंह, शशि यादव, सुदर्शन सिंह, रवींद्र प्रसाद, मनीष सिंह, विनोद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, तुलसी गुप्ता, धनेश्वर प्रसाद, पंकज सिंह, बसंत सिंह, अभिषेक, निलेश गुप्ता, संतोष रंजन, अजय कुमार, अरविंद कुमार, विकास कुमार, पिंटू कुमार, केडी फार्मा, जलाराम मेडिको, अभिषेक आर्या, दीपक कुमार सहित एसोसिएशन के कई सदस्य शामिल रहे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

जेआरडीए के तीन वर्षों के बजट का किया गया एकीकरण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) प्रबंध पर्षद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। तीन वर्षों के बजट के एकीकरण, पुनर्वास स्थलों में रोजगार के साधनों का विकास तथा भू - धंसान वाले क्षेत्र से लोगों को पुनर्वास करने सहित कई अन्य प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह उप कार्यकारी अधिकारी झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार आदित्य रंजन ने की। बैठक में विस्थापित परिवारों के सुचारू पुनर्वास, बेलगड़िया टाउनशिप में जन-सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, वित्तीय प्रबंधन और आजीविका सृजन से जुड़े कई नीतिगत एवं विकासात्मक एजेंडों पर विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। परियोजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने तथा धन की कमी से बचने के लिए, बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2027-28 तक के तीन वर्षों के राजस्व और पूंजीगत बजट को एकीकृत करने की मंजूरी दी। बेलगड़िया टाउनशिप की कनेक्टि-विटी को बेहतर बनाने के लिए दो प्रमुख एप्रोच रोड (पलानी मोड़ से वाया फेज-श, रानी रोड तक एप्रोच रोड तथा बरमसिया रेलवे ओवरब्रिज से कुसमाटांड़ मोड़ (वाया झरिया विहार कॉलोनी) रानी रोड) के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की भी प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। बेलगड़िया टाउनशिप के सभी 18,352 आवासों में निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु विद्युत सबस्टेश न के निर्माण को मंजूरी दी गई है। झरिया मास्टर प्लान 2.0 के तहत दामोदर नदी से बेलगड़िया तक पाइपलाइन बिछाने के लिए पीएचइडी को राशि जारी करने की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। टाउनशिप के फेज 1 से 3 में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए 500 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई, जिसमें से 395 लाइटें लगाई जा चुकी हैं। इस-के अलावा एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने हेतु भी स्वीकृति प्रदान की

गई। टाउनशिप में महिलाओं और स्थानीय विस्थापितों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए बटन मशरूम की खेती, कमर्शियल डेयरी फार्मिंग, पोल्ट्री फार्मिंग और मछली पालकों के लिए सर्कुलर हैचरी की स्थापना से संबंधित प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई है। आजीविका सृजन के लिए 50 ई-रिक्शा के बाद, नए आवेदनों के आधार पर बीसीसीएल को 50 और नए ई-रिक्शा के आवंटन का प्रस्ताव भेजा जाएगा। बीसीसीएल से प्राप्त अनुरोध के आलोक में करमाटांड़ कॉलोनी में 5 आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक भवन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसका खर्च बीसीसीएल मद से वहन होगा। बेलगड़िया टाउनशिप में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए एक दुकान आरक्षित कर पीएम जनऔषधि केंद्र खोलने का प्रस्ताव लिया गया।। आवागमन को सुगम बनाने के लिए 02 इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन और रखरखाव से संबंधित व्यय के भुगतान की स्वीकृति दी गई। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2026-27 (तीन वर्षों) के लिए वैधानिक अंकेक्षक तथा आंतारक अंकेक्षक के रूप में चयनित लोगों को नियुक्त की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। स्वीकृत झरिया मास्टर प्लान के तहत झरिया कोयला क्षेत्र में चार-लेन रिंग रोड बनाने का निर्देश दिया गया था। इसके लिए आरसीडी और एनएचएआई को सर्वे और बजट के लिए अनुरोध किया गया था। जिसके बाद आरसीडी ने पथ निर्माण विभाग, झारखंड से डीपीआर तैयार करने का आग्रह किया है। झरिया विहार बेलगड़िया कॉलोनी के फेज-1 (2352 इकाइयां) में 1.8 मेगावाट रूफटॉप सोलर लगाने का निर्णय लिया गया। सोलर इंस्टॉलेशन के कारण बिजली की कॉन्ट्रैक्ट डिमांड को 1700 केएवीए से बढ़ाकर 1925 केवीए किया गया है। इसके लिए जेआरडीए द्वारा सुरक्षा राशि के रूप में 47.80 लाख रुपये दिए गए हैं। जबकि जेबीवीएनएल द्वारा नेट मीटर इंस्टॉल कर दिए गए हैं। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे, बीसीसीएल सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, कार्यपालक अभियंता आरसीडी मिथिलेश कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलखो समेत बीसीसीएल तथा जेआरडीए के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विधिक साक्षरता पर पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः 90 दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा बुधवार को राजकीय मध्य विद्यालय, पनडुक्की में विधिक साक्षरता कक्षा एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस विषय में जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि इस कार्यक्रम में विद्यालय के 60 से अधिक बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 प्रतिभाशाली बच्चों को पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा मंच पर सम्मानित किया गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप विशेष पुरस्कार प्रदान किए गया कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य नीरज मिश्रा विद्यालय के अन्य शिक्षक अधिकार मित्र सुभाष चंद्र महतो, लक्ष्मी कुमारी, सबीता कुमारी ,जयप्रकाश महतो, रॉकी पांडे, लक्ष्मी कुमारी, संध्या देवी, उत्तम मंडल और विक्रम मोदी ने मुख्य भूमिका निभाई.

जिले की पुलिसिंग व्यवस्था और होगी बेहतर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले की पुलिसिंग और अधिक मजबूत होगी। अपराध पर भी नियंत्रण होगा। इन सबके लिए जिले को 45 नई हाई टेक बाइक धनबाद को मिली है। बुधवार को धनबाद पुलिस लाइन में समारोह आयोजित कर हाई टेक बाइक पुलिसिंग की शुरूआत की गई। डीसी आदित्य रंजन तथा एसएसपी प्रभात कुमार ने समारोह का उद्घाटन किया। बाइक चला कर बाइक पुलिसिंग की शुरूआत की। डीसी ने कहा कि धनबाद पुलिस को 45 नई बाइक मिलने से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग और मजबूत होगी। खासकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों, संवेदनशील इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की उपस्थिति बढ़ेगी, जिससे अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार पुलिस व्यवस्था को आधुनिक, मजबूत और सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस बल को नई तकनीक और संसाधनों से लैस किया जा रहा है। पुलिस कंट्रोल रूम को भी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। आने वाले दिनों में संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र और अन्य आधारभूत सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा ताकि आम लोगों को बेहतर पुलिस सेवा मिल सके। डीसी ने कहा कि धनबाद की जनता का पुलिस प्रशासन पर अटूट विश्वास है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। आम लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर एसएसपी ने कहा कि नई पेट्रोलिंग बाइक को जिले के विभिन्न थाना में भेजा गया है। इनका इस्तेमाल चौबीसों घंटे गश्त के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेज रेस्पॉन्स और बेहतर निगरानी के लिए आधुनिक वाहन बेहद जरूरी हैं और नई हाईटेक पेट्रोलिंग बाइक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि डायल 112 सेवा के रेस्पॉन्स टाइम के मामले में धनबाद पुलिस पूरे झारखंड में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। नई बाइक मिलने से पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता और अधिक मजबूत होगी। आपातकालीन सूचना मिलने पर पुलिस और तेजी से घटनास्थल तक पहुंच सकेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में लगातार काम हो रहा है। इससे पहले पिछले वर्ष भी धनबाद पुलिस को 70 नई पेट्रोलिंग बाइक उपलब्ध कराई गई थी। इसके अलावा 50 सिटी हॉक्स बाइक और 40 बोलेरो वाहन भी पुलिस बल को दिए गए हैं। सभी वाहन आधुनिक जीपीएस, ब्लिंकर, सायरन और वायरलेस सेट जैसी सुविधाओं से लैस हैं। इन वाहनों के माध्यम से पुलिस कंट्रोल रूम लगातार गश्ती टीमों की निगरानी कर सकता है, जिससे पुलिसिंग और अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने, अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा आम जनता में सुरक्षा का भरोसा कायम रखने के लिए धनबाद पुलिस लगातार आधुनिक संसाधनों और तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। आने वाले समय में भी पुलिस बल को और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य जारी रहेगा। वहीं कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों में उत्साह का माहौल देखा गया। नई बाइक के शामिल होने से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक पुलिस की पहुंच और भी तेज एवं प्रभावी होगी। मौके पर ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, डीएसपी मुख्यालय धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय शंकर कामती, सार्जेन्ट मेजर विनोद कुजूर, सार्जेन्ट लक्ष्मण मेहता सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी व जवान मौजूद थे।

रेलवे स्टेशनों पर मेगा स्वच्छता अभियान चलाया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के छठे दिन बुधवार को धनबाद रेल मंडल के स्टेशनों पर मेगा स्वच्छता अभियाह्न चलाया गया। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा रेलवे प्लेटफॉर्म, पटरियों के किनारे, प्रतीक्षालय, पार्किंग क्षेत्र तथा स्टेशन के मुख्य प्रवेश एवं निकास मार्गों की गहन सफाई की। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से भारी मात्रा में सिंगल-यूज प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री एकत्र की गई, जिसे रीसाइक्लिंग एवं वैज्ञानिक तरीके से निपटान हेतु भेजा गया। इस अवसर पर रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसर के आसपास स्थित दुकानदारों एवं स्थानीय व्यापारियों से प्लास्टिक थैलियों एवं एकल-उपयोग प्लास्टिक सामग्री का उपयोग पूर्णतः बंद करने की अपील भी की गई। स्वच्छता अभियान के साथ-साथ यात्रियों एवं आमजन के बीच जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसके तहत लोगों को डस्टबिन का नियमित उपयोग करने, जल संरक्षण अपनाने तथा रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना तथा आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः न्यू टाउन हॉल में बुधवार को जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला सह सुखाड़ आकस्मिकता कार्ययोजना का आयोजन किया गया। विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो ने बीज वितरण में सावधानी रखने, नये लाभुकों की पहचान करने व समूह आधारित खेती पर विशेष बल दिया। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने यांत्रीकरण योजना को प्रभावी रूप से लागू करने की सलाह दी। कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन भी शामिल हुए। उन्होंने कृषकों को पांच एकड़ भूमि पर सामूहिक रूप से खेती सह बागवानी करने पर डीप बोरिंग की व्यवस्था देने का आश्वासन दिया। उप विकास आयुक्त सन्नी राज की पहल पर बाजार समिति के विक्रेताओं के साथ लाभुकों का सीधा संवाद कराया गया। बाजार समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल ने कृषकों को आश्वस्त किया कि उनके उत्पादों को बाजार में उचित स्थान प्रदान करते हुए राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र धनबाद के वरीय वैज्ञानिक सह प्रभारी अनिल कुमार ने कृषकों को धनबाद जिले की सुखाड़ आकस्मिकता कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने उच्च भूमि और

मध्य भूमि पर फसल विविधीकरण, प्रभेद चुनाव, जल संचयन, सूक्ष्म सिंचाई बागवानी फसल का चुनाव आदि विषयों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। वहीं 20 से अधिक प्रगतिशील कृषकों ने अपने प्रश्न विभागीय पदाधिकारियों और वैज्ञानिक के समक्ष रखे। जबकि जिला पशुपालन, जिला मत्स्य, जिला सहकारिता और जिला कृषि पदाधिकारी ने विभागीय योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह में 60 से अधिक प्रगतिशील कृषकों ने बिरसा हरित बागवानी से आम के उत्पाद खरीफ कर्मशाला की प्रदर्शनी में प्रस्तुत किया।

उपायुक्त तथा उप विकास आयुक्त ने कृषकों से संवाद के साथ साथ उनके प्रदर्शों का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री का वीडियो संदेश प्रसारित किया गया । समारोह में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र धनबाद के वैज्ञानिक, जिला प्रबंधक नाबार्ड, जेएसएलपीएस, डीएमएफटी टीम, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, जनसेवक, एटीएम, बीटीएम, कृषक मित्र, संबंधित विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी सहित 650 प्रगतिशील कृषक सम्मिलित हुए।

धनबाद रेल मंडल के दस दिवसीय समर कैंप का समापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रेलवे अधिकारी क्लब, धनबाद में आयोजित दस दिवसीय समर कैंप का बुधवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष श प्रिया मिश्र ने किया। समर कैंप में विभिन्न विद्यालयों के 4 से 10 वर्ष आयु वर्ग के 38 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों और कार्यशालाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया` इस समर कैंप में बच्चों ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण, नृत्य एवं संगीत, ड्राइंग, कला एवं शिल्प तथा मिट्टी के बर्तन निर्माण जैसी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया` कैंप में प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे वे नई-नई कलाओं एवं कौशलों को सीख सकें. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास में वृद्धि तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। साथ ही, पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष एवं मनोवैज्ञानिक/ काउंसलर प्रिया मिश्र द्वारा ह्लपेरेंटिंग एवं जेंटल पेरेंटिंग : मिथक, तथ्य और सकारात्मक जुड़ावह्व विषय पर एक संवादात्मक एवं प्रेरणादायी चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में अभिभावकों को बच्चों के साथ सकारात्मक संवाद, भावनात्मक जुड़ाव एवं बेहतर पालन-पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की उपाध्यक्ष अल्पना झा एवं मीनाक्षी, शैली सहित संगठन की अन्य सदस्याएं, मंडल के कर्मचारीगण तथा गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे.

मतदाताओं के लिए डीसी ऑफिस में हेल्प डेस्क शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआइआर) के लिए डीसी ऑफिस में हेल्प डेस्क बनाया गया है । हेल्प डेस्क में मतदाता सेवा को सुगम बनाने एवं सभी योग्य नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांग, प्रवासी एवं बुजुर्ग मतदाताओं को शामिल करने की सुविधा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि हेल्प डेस्क में एसआइआर की समय सीमा, पात्रता और पंजीकरण, नाम में सुधार करने या हटाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही मतदाताओं के पिछले या अंतिम एसआइआर रिकॉर्ड खोजना, उनसे जोड़ने में सुविधा प्रदान की जाएगी। मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने और जमा करने में सहायता प्रदान की जाएगी। हेल्प डेस्क में प्रवासी मतदाताओं को उनके वर्तमान और पिछले विधानसभा क्षेत्र की पहचान करने में सुविधा दी जाएगी। साथ में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उनका पंजीकरण सही स्थान पर हो रहा है। इसके अलावा उनको हेल्पलाइन नंबर 0326-1950, ईसीआइ नेट मोबाइल एप, एवं अपने बीएलओ के साथ कॉल बुक करें, के प्रयोग के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी। हेल्प डेस्क के सुचारू संचालन के लिए चार हेल्प डेस्क मैनेजर की प्रतिनियुक्ति की गई है। यह समाहरणालय के प्रथम तल के कमरा नंबर 111 ए में है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी हेल्प डेस्क मैनेजर को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआइआर (2026) में आम नागरिकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देशित किया है।

हड़ताल के कारण जिले भर की दवा दुकानें रहीं बंद, लोगों को झेलनी पड़ी परेशानी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर बुधवार को धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के नेतृत्व में जिले के लगभग 1500 दवा प्रतिष्ठानों ने एक दिवसीय सांकेतिक बंद में भाग लेकर अभूतपूर्व एकजुटता का परिचय दिया। डीसीडीए के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने रणधीर वर्मा चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि व्यवसायियों की एकजुटता, अनुशासन एवं संघर्षशीलता ने यह साबित कर दिया है कि पूरा केमिस्ट समुदाय एकजुट है। यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन देशभर में बढ़ रही अवैध एवं अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री, बिना वैध एवं सत्यापित चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की होम डिलीवरी तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा दी जा रही अत्यधिक एवं अनुचित छूट के विरोध में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि दवाएं कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं। बिना उचित

चिकित्सकीय सत्यापन के उनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री जन स्वास्थ्य, मरीजों की सुरक्षा तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अंतर्गत स्थापित नियामकीय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से मांग की कि मरीजों की सुरक्षा, जन स्वास्थ्य तथा लाखों छोटे लाइसेंसधारी केमिस्ट्स एवं उनके कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु अविलंब ठोस एवं सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इस आंदोलन को बीएसएसआर धनबाद यूनियन ने भी समर्थन प्रदान किया। यूनियन के सचिव संदीप आइच सहित बड़ी संख्या में सदस्य धरना स्थल पर उपस्थित रहे। जिला चैंबर के अध्यक्ष चेतन गोयनका, महासचिव अजय नारायण लाल, सरायढेला चैंबर के अध्यक्ष, हीरापुर चैंबर के अध्यक्ष सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया। धरना स्थल पर संगठन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल, महासचिव धीरज दास, कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल, संगठन सचिव नीलू सिंह सहित बड़ी संख्या में केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट उपस्थित रहे। मौके पर विकास चौधरी, राजेश सिंह, प्रकाश गोयल, सुनील पोद्दार, राकेश सिंह, राकेश रंजन, राजेश विश्वकर्मा, रंजन गुप्ता, दयानंद प्रताप मल्लिक, पीयूष कुमार, राजीव रंजन, तेजस साह, साजिद साह, अजय तुलस्यान, सतीश सिंह, प्रहलाद अग्रवाल, सुनील श्रीवास्तव, संजय कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

कल्याण भवन बीसीसीएल में मानव संसाधन अधिकारियों की कार्यशाला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस के अवसर पर बुधवार को कल्याण भवन (एचआरडी), बीसीसीएल में नव-नियुक्त मैनेजमेंट ट्रेनी एवं कनीय संवर्ग के मानव संसाधन अधिकारियों के लिए कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक कार्य संस्कृति, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक दक्षताओं से परिचित कराना था।इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, महाप्रबंधक (एचआरडी) सुधाकर प्रसाद सहित मानव संसाधन निदेशालय के अंतर्गत कोयला भवन मुख्यालय के महाप्रबंधक, विभिन्न विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोयला भवन मुख्यालय एवं विभिन्न विभागों से कनीय संवर्ग के मानव संसाधन अधिकारियों तथा मैनेजमेंट ट्रेनी सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने किया। मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि किसी भी संस्था की सफलता उसके मानव संसाधनों की क्षमता, प्रतिबद्धता एवं कार्यसंस्कृति पर निर्भर करती है। उन्होंने आत्मानुशासन, सकारात्मक सोच, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, संवाद कौशल, संवेदनशीलता एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावी नेतृत्व की शुरूआत आत्मविकास एवं स्व-प्रबंधन से होती है।निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी औद्योगिक वातावरण में एचआर प्रोफेशनल्स की भूमिका केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि संगठनात्मक विकास, प्रतिभा प्रबंधन एवं परिवर्तन प्रबंधन तक विस्तृत हो चुकी है। निदेशक (वित्त) राजेश कुमार ने कहा कि संगठन की वित्तीय एवं प्रशासनिक सुदृढ़ता उसके मानव संसाधनों की दक्षता, पारदर्शिता एवं प्रतिबद्धता पर आधारित होती है।कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत, सामूहिक दीप प्रज्वलन एवं कोल इंडिया गीत के साथ हुई। स्वागत संबोधन महाप्रबंधक (एचआरडी) सुधाकर प्रसाद ने दिया। समापन सत्र में प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें निदेशक (मानव संसाधन) ने उनके प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया।कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सफूरा रुबाब द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन मैनेजमेंट ट्रेनी (एचआर) अंजलि मेहता ने किया। कार्यक्रम की सफलता में एचआरडी के मुख्य प्रबंधक (खनन) राधेश्याम दुबे, प्रबंधक (मानव संसाधन) सुमित कुमार, प्रबंधक (खनन) दीपक कुमार सहित एचआरडी के अन्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

छात्र विरोधी नीति के खिलाफ अभाविप उग्र प्रदर्शन, पुनर्गठन एवं क्लस्टर प्रणाली के विरोध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला फुंका

नीति वापस नहीं होने पर पूरे प्रदेश में होगा बड़ा आंदोलन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज द्वारा झारखंड सरकार की छात्र-विरोधी पुनर्गठन एवं क्लस्टर प्रणाली नीति के विरोध में बुधवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया।यह प्रदर्शन साहिबगंज महाविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं अभाविप कार्यकताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान परिषद कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए छात्र हितों की रक्षा की मांग उठाई।धरना-प्रदर्शन से पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं एवं छात्रों द्वारा साहिबगंज स्टेशन चौक से साहिबगंज महाविद्यालय तक पैदल मार्च निकाला गया।इस दौरान कार्यकताओं ने ह्लछात्र विरोधी नीति वापस लो।क्लस्टर प्रणालीनहीं चलेगा। छात्र हितों के साथ खिलवाड़ बंद करो जैसे नारों के साथ सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।पूरे मार्च के दौरान छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिला।यह आंदोलन केवल साहिबगंज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश के 24 जिलों में एक साथ व्यापक धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया।परिषद कार्यकताओं ने राज्य सरकार पर उच्च शिक्षा व्यवस्था को अव्यवस्थित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की यह नई नीति छात्रों के भविष्य को अंधकार की ओर धकेलने वाली है। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहिबगंज विभाग संयोजक संजय दादा ने की।इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह एवं प्रदेश सह-संयोजक गौरव कुमार सुमन उपस्थित रहे।सभा को संबोधित करते हुए संजय दादा ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा लागू किया जा रहा पुनर्गठन एवं क्लस्टर प्रणाली पूर्णतः छात्र-विरोधी एवं अव्यवहारिक निर्णय है। इस नीति के तहत विद्यार्थियों को एक ही विषय की पढ़ाई के लिए अलग-अलग महाविद्यालयों में जाना पड़ेगा।जिससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि कई छात्र-छात्राएँ ऐसे परिवारों से आते हैं। जिनके लिए प्रतिदिन दूसरे महाविद्यालय तक आना-जाना संभव नहीं है।सरकार की यह नीति विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने के साथ-साथ उनकी पढ़ाई को भी प्रभावित करेगी।उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी परिषद किसी भी परिस्थिति में छात्रों के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं करेगी।यदि राज्य सरकार इस नीति को अविलंब वापस नहीं लेती है, तो विद्यार्थी परिषद सड़क से लेकर सदन तक चरणबद्ध एवं उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।आने वाले समय में पूरे प्रदेश में व्यापक छात्र आंदोलन खड़ा किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय लगातार छात्रों पर अव्यवहारिक प्रयोग कर रही है।उन्होंने कहा कि सरकार को विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी, संसाधनों की समस्या एवं छात्रों की मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन सरकार छात्र को अलग-अलग कॉलेजों में भटकाने वाली व्यवस्था लागू करने में लगी हुई है।उन्होंने स्पष्ट कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्र हितों की आवाज रही है और आगे भी हर अन्यायपूर्ण नीति के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।प्रदेश एसएफएस सह-संयोजक गौरव कुमार सुमन ने कहा कि यह नीति विशेष रूप से ग्रामीण एवं गरीब विद्यार्थियों के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होगी।जिन छात्रों के पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं हैं।उनके लिए प्रतिदिन अलग-अलग महाविद्यालयों तक पहुँचना कठिन हो जाएगा।इससे उच्च शिक्षा में छात्रों की भागीदारी प्रभावित होगी तथा कई विद्यार्थियों को पढ़ाई छोड़ने तक की नौबत आ सकती है।उन्होंने सरकार से छात्र हित में तत्काल इस नीति को वापस लेने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान अभाविप कार्यकताओं ने छात्र विरोधी नीति वापस लो क्लस्टर प्रणाली नहीं चलेगा। छात्र हितों के साथ खिलवाड़ बंद करोह्व जैसे नारों के साथ जोरदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश छात्रा सह-संयोजक निधि सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, जिला केंद्र नगर मंत्री चंदन कुमार, तालझारी इकाई नगर मंत्री सौरव कुमार, नगर सह मंत्री लक्ष्मी कुमारी, आशीष कुमार, सुहानी कुमारी, मोनिका कुमारी, आरती एक्का, बेबी कुमारी, भूमि कुमारी, कंचन कुमारी, पायल कुमारी, मौसमी कुमारी, आस्था कुमारी, माही कुमारी, नीलम कुमारी, अंजली कुमारी, गौरव, निखिल, सूरज, विशाल कुमार, अमन भगत, कुंदन कुमार,बादल कुमार, आशीष कुमार, गौरव कुमार, शिवम कुमार, आलोक ठाकुर, सन्नी सिंह, हीराकांत प्रसाद, पियूष उपाध्याय, ऋतिक उपाध्याय, अभिषेक ठाकुर, दानी कुमार, नंदू रजक, प्रेम कुमार, पवन कुमार,निखिल राज, रोशन दत्ता,विजय शर्मा।सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से महिला की मौत, छाया मातम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरीडीह : बिरनी प्रखण्ड के बरहमसिया पँचायत के अंतर्गत खरटी में बुधवार अहले सुबह लगभग 5 बजे खेत काम करने गयी रघुनन्दन यादव की 48 वर्षीय पत्नी कांता देवी की दर्दनाक मौत हो गयी।घटना के लगभग 3 घण्टे के बाद घटना स्थल पर ग्रामीण पहुँचे तो हो हल्ला कर ग्रामीणो व परिवार वालो को सूचना दिया। सूचना पर परिवार के लोग घटना स्थल पर पहुँचकर इलाज के लिए सामुदायीक स्वास्थ्य केंद्र लगभग नौ बजकर पंद्रह मिनट पर पहुँचे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर साकिब जमाल ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिवार के लोग शव को अपने घर ले गए और परिवार के लोग दहाड़ मारकर रोने पिटने लगे । घटना की सूचना बिरनी थाना को नही दी गयी है।बताया जाता है कि मृत्तक महिला खेत में लगी सब्जी फसल को पटवन के लिए खेत गयी हुई थी इसी बीच बिजली करंट के चपेट में आ गयी।

किसानों के साथ हुए वादाखिलाफी को लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा की हुंकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : मधुपुर के गड़िया ब्लॉक में भाजपा कार्यकताओं ने हेमंत सरकार के खिलाफ राज्य के युवाओं, किसानों के साथ वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। मधुपुर भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष अनुप भैया की अध्यक्षता में किए गए प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष सचिन रवानी समेत मधुपुर नगर,अध्यक्ष रवि रवानी ,मनोहर चौधरी मधुपुर ग्रामीण, मधुपुर नगर, बुढ़ई प्रखण्ड के पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता की उपस्थिति में राज्यपाल के नाम बीडीओ को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि राज्य सरकार ने अपने घोषणापत्र में किसानों को धान का 3200 रुपए प्रति क्विटंल न्यूनतम समर्थन मूल्य देने। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, किसानों को किफायती दर पर खाद्य, बीज कृषि उपकरण निर्बाध बिजली, पानी देने का वादा कर भूल गई। वही भाजपा जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी हैं हेमंत सरकार के कार्यकाल में राज्य में अपराधियों का मनोवल बढ़ा हुआ है राज्य में अपराध का ग्राफ दिन बढ़ता जा रहा हैं, भ्रष्टाचार चरम पर है। पर मौके पर अधीर भैया संजय यादव, पप्पु यादव, , विनय वर्मा, विनोद गोंड, मिति कुमारी, मालती सिन्हा, अवध भैया, भरतलाल भैया, अशोक गोंड, गोपाल मोदी,अवध भैया उमेश सिंह सुनिता जयसवाल, विक्की सिंह बिनोद गोंड मदन यादव, नारायण मंडल, महेंद्र भोक्ता, अजय भैया,प्रकाश गुप्ता दिनेश यादव धनंजय रवानी अंकुश बर्नवाल, जय प्रकाश सिंह, एनुल होड़ा गोविन्द यादव, मदन यादव, गोपी बर्मन,मनोज सिंह पहलद यादव आनंद यादव अजीत खंडेलवाल फुलेश्वर मंडल समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिरहोर बस्ती पहुंचे उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत कोतो पंचायत के बिरहोर क्षेत्र में बुधवार को रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज ने स्थलीय निरीक्षण कर आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के लोगों से सीधा संवाद किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने क्षेत्र में संचालित सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया तथा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने बिरहोर परिवारों के रहन-सहन, आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं राशन वितरण व्यवस्था की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है या नहीं।इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं से उपायुक्त को अवगत कराया।उपायुक्त ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।बिरहोर समुदाय के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को और मजबूत किया जाए तथा योग्य लाभुकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य योजनाओं से जोड़ा जाए।इस दौरान उपायुक्त ने ग्राम पंचायत कोतो स्थित उत्क्रमित विद्यालय डाडीडीह, प्रखंड मुख्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया।वहीं बिरहोर कॉलोनी पहुंचने पर मुखिया प्रतिनिधि जय प्रकाश सिंह ननकी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।जय प्रकाश सिंह ननकी ने पंचायत एवं बिरहोर परिवारों की विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया।

हथियार के साथ एक संदिग्ध पुलिस की गिरफ्त में, गोली भी बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उलीडीह ओपी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध युवक को अवैध हथियार और जिंदा गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। गिरफ्तार युवक का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। बीती रात जमशेदपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ओलडीह ओपी क्षेत्र के लक्ष्मण नगर छठ घाट के पास एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है।पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लक्ष्मण नगर छठ घाट के पास घेराबंदी कर एक युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी पिस्टल और तीन जिंदा गोलियां बरामद की गईं। गिरफ्त में आये व्यक्ति का नाम बिस्वजीत सिंह है, पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने पुलिस को बताया कि उसने यह हथियार बिहार के बक्सर से 30 हजार रुपये में खरीदा था। आरोपी इस हथियार का इस्तेमाल इलाके में दहशत फैलाने, व्यवसायियों को धमकाने और रंगदारी वसूलने के लिए करने वाला था।

डीसी ने 8 गुड सेमेरिटीन को सौंपा चेक, विभिन्न सड़क हादसों में बचायी थी राहगीरों की जान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने वाले कुल 8 गुड सेमेरिटीन (नेक व्यक्तियों) को दो-दो हजार रुपये का चेक सौंपकर सम्मानित किया।मौके पर डीटीओ जितेंद्र यादव उपस्थित रहे।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मदद करना सबसे बड़ा मानवता का कार्य है। ऐसे लोगों को सम्मानित करना प्रशासन के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी सम्मानित व्यक्तियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी तत्परता और संवेदनशीलता के कारण कई लोगों की जान बच सकी।चेक प्राप्त करने वालों में गुलाम मुस्तफा, बसंत कुमार, अशोक कुमार यादव, संजीव कुमार चंद्रवंशी,

जफर इमाम, विजय पांडे, पवन कुमार एवं आलोक पटेल शामिल रहे।छतरपुर के कचनपुर निवासी अशोक कुमार यादव ने 13 अप्रैल को मदनपुर में घायल हुए व्यक्ति को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया था। वहीं मुरूमदाग निवासी गुलाम मुस्तफा ने 15 अप्रैल को सिलदाग में हुई सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाकर मानवता की मिसाल पेश की।उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को ह्लपुलिस केसह्व समझकर नजर-अंदाज न करें। गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने से किसी की जान बचायी जा सकती है। सरकार द्वारा गुड सेमेरिटीन योजना के तहत मदद करने वाले लोगों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि आमजन आगे आएं, मानवता का परिचय दें और सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद कर एक जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निभाएं।

उपायुक्त कार्यालय में आयोजित हुआ जन समाधान दिवस, विभिन्न समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जन समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा।जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए सभी मामलों में त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी मामलों का निष्पादन 15 दिनों के भीतर हर हाल में किया जाए।जन समाधान दिवस में हुसैनाबाद वार्ड संख्या-16 निवासी रियाजुद्दीन अंसारी ने मोबिन आलम द्वारा घर का रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं नीलांबर-पीताम्बरपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम चौरा के पंचायत समिति सदस्य ने 15वें वित्त आयोग वर्ष 2022-23 की योजना में भुगतान लंबित रहने एवं स्थानीय मुखिया द्वारा कमीशन मांगे जाने संबंधी शिकायत उपायुक्त के समक्ष रखी।इसके अलावा मेदिनीनगर शहर के साहित्य समाज चौक निवासी दीपक कुमार ने रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं पड़वा प्रखंड निवासी अशोक साव ने एनएच-75 निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि का मुआवजा भुगतान नहीं किए जाने को लेकर आवेदन सौंपा।जन समाधान दिवस के दौरान विभिन्न अन्य मामलों से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। कई मामलों में उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित बीडीओ एवं सीओ से दूरभाष पर संपर्क कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता अतिक्रमण, अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास योजना का लाभ दिए जाने, दाखिल-खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा एवं कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

आर्ट ऑफ गिविंग के 13वें स्थापना दिवस पर नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में सेवा कार्यक्रम आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : आर्ट ऑफ गिविंग के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिले के नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री एवं खानपान की आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया।इस अवसर पर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन आर्ट ऑफ गिविंग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर रितेश कुमार रंजन के नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक उनकी आवश्यकतानुसार सामग्री पहुँचाना एवं मानव सेवा के प्रति लोगों को प्रेरित करना रहा।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में साहिबगंज कॉलेज के प्रोफेसर एवं एनएसएस जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार भारती उपस्थित रहे।उन्होंने आर्ट ऑफ गिविंग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्य लोगों के बीच सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं तथा जरूरतमंदों के जीवन में नई उम्मीद जगाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में राहुल कुमार, रविशंकर कुमार, रितेश कुमार, सौरभ कुमार, दीपेश कुमार, प्रेम कुमार,एवं अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।आर्ट ऑफ गिविंग संस्था लगातार समाज सेवा एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए कार्य करती रही है और भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया गया।

पिठोरिया में मंडा पूजा का शुभारंभ, 14 दिनों तक चलेगा आस्था का महापर्व

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पिठोरिया में देवाधिदेव महादेव की आराधना और लोकआस्था का प्रमुख पर्व मंडा पूजा का शुभारंभ बुधवार से हो गया। 14 दिनों तक चलने वाले इस पारंपरिक पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।पर्व के तीसरे दिन दिन पुजारी पाहन द्वारा विधि-विधान से घरदेवती की पारंपरिक पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान परंपरा के अनुसार मुर्गा की बलि भी दी गई। पूजा में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।मंडा पूजा समिति की ओर से बताया गया कि 28 मई को पूलकुंदी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा 29 मई को झूलन कार्यक्रम का आयोजन किया

जाएगा। दोनों आयोजनों को लेकर समिति द्वारा व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्सव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण परंपरा और संस्कृति से जुड़ा यह पर्व हर वर्ष बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।पिठोरिया के मंडा पूजा में कांके, ठाकुरगांव, बुढ़मू, रातू और अन्य थाना क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु मंडा पूजा देखने आते हैं।पिठोरिया के लोहड़िया टोला में मंडा पूजा की शुरूआत नागवंशी महाराजा दृपनाथ शाहदेव के द्वारा जयमंगल सिंह को पिठोरिया का फ्रंटियर गार्ड बनाने के साथ शुरू हुआ। इस प्रकार 200 वर्षों नियमित इस पूजा का आयोजन होते आ रहा है।आयोजन समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, महामंत्री राम प्रसाद गोप और कोषाध्यक्ष विक्की अहीर की टीम के द्वारा पूजा के निमित्त सारी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के बीच दायित्वों का निर्धारण कर दिया गया है। मध्य प्रदेश जितेंद्र साहू ने बताया कि सुरक्षा और शांति के साथ त्योहार को संपन्न कराना समिति का मुख्य उद्देश्य है।

ढाबा में आग लगाने के आरोपी को पुलिस ने कराया पैदल मार्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : झुमरी तिलैया तिलैया थाना पुलिस ने एक ढाबा में आगजनी मामले के आरोपी रवि बिरहोर को बुधवार को गिरफ्तार किया।आरोपी पर ऑमलेट नहीं मिलने से नाराज होकर एक गरीब विधवा महिला के ढाबे में आग लगाने का आरोप है।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेशी के लिए ले जाते समय शहर के झंडा चौक से पूर्णिमा टॉकीज तक पैदल मार्च कराया। पुलिस के अनुसार आरोपी रवि बिरहोर को गिरफ्तार कर न्यायालय ले जाया जा रहा था। इसी दौरान झंडा चौक स्थित रेलवे ओवरब्रिज के पास पुलिस वाहन अचानक खराब हो गयी। वाहन खराब होने के कारण

पुलिसकर्मियों को आरोपी को पैदल ही लेकर जाना पड़ा। इस दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई और लोग पूरे घटनाक्रम को देखते रहे। जानकारी के अनुसार तिलैया थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर दो स्थित बिरहोर टोला में रविवार देर रात गरीब विधवा पिंकी देवी के झोपड़ीनुमा ढाबे में आग लगा दी गई थी। घटना में ढाबे में रखा खाद्य सामग्री, बर्तन समेत सारा सामान जलकर राख हो गया था। घटना में वहां बंधी दो बकरियों की भी आग में झुलसकर मौत हो गई थी।पीड़िता ने आरोप लगाया था कि रविवार रात रवि बिरहोर उनके ढाबे पर पहुंचा था और ऑमलेट बनाने की जिद कर रहा था।देर रात होने के कारण उन्होंने ऑमलेट बनाने से इंकार कर दिया, जिससे युवक नाराज होकर वहां से चला गया। बाद में देर रात आगजनी की घटना सामने आई।घटना के बाद तिलैया थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि पिंकी देवी के पति मुकेश की पूर्व में मृत्यु हो चुकी है और वह अपने बच्चों व सास के साथ छोटे से ढाबे के सहारे परिवार का पालन-पोषण कर रही थीं। आगजनी की इस घटना से परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पैदल मार्च कराए जाने के दौरान थाना प्रभारी विनय कुमार व पुलिस बल मौजूद था।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में लोहरदगा में केमिस्टों की हड़ताल,दवा दुकानें रहीं बंद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : ऑल इंडियाऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर बुधवार को जिले भर के दवा दुकानदार हड़ताल पर रहे। लोहरदगा जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के नेतृत्व में जिले के थोक व खुदरा दवा व्यवसायियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर विरोध जताया। हड़ताल के कारण जिले भर के सभी दवा दुकानें बंद रहीं, जिससे आम लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा, हालांकि आवश्यक व आपातकालीन दवाओं की उपलब्धता बनाये बनाए रखने का दावा किया गया।केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अवैध व अनियमित दवा बिक्री, बिना वैध चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की होम डिलीवरी और भारी छूट से छोटे व्यवसायी प्रभावित हो रहे हैं। इसके विरोध में प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। साथ ही व्यवसायियों ने केंद्र सरकार से जी एस आर 817(ए) व जी एस आर 220(ई) को वापस लेने तथा ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है।हड़ताल शांतिपूर्ण रही और इसे व्यापक समर्थन मिला।मौके पर अध्यक्ष मुकेश शाहा, सचिव पवन गौतम, अनील गुप्ता, विजय गुप्ता, प्रसन्न जीत घोष, सजय अग्रवाल, मनोज कुमार गुप्ता, अरुण साहु मौजूद थे। ऐसोसिएशन के सचिव पवन गौतम ने बताया कि यदि सरकार हमारी मांगे नहीं मानती है तो आगे और भी उग्र आन्दोलन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

आरपीएफ की कार्रवाई:गया जंक्शन पर नो पार्किंग क्षेत्र से 37 टोटो-ऑटो जब्त

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन परिसर में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से आरपीएफ की टीम के द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर के विभिन्न नो पार्किंग क्षेत्रों में अवैध रूप से खड़े कुल 37 टोटो एवं ऑटो को चिन्हित कर नियमानुसार सीज (जब्त) किया गया।आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने बताया कि संबंधित वाहन चालकों एवं मालिकों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मुकदमा भी दर्ज किया गया है। कार्रवाई का उद्देश्य स्टेशन परिसर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। अभियान के दौरान आरपीएफ के द्वारा आम जनता और वाहन चालकों को नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा नहीं करने के लिए जागरूक भी किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्टेशन परिसर में अवैध पार्किंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी ताकि स्टेशन परिसर में सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुचारु वातावरण बना रहे तथा यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राजनीतिक विफलता ने राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगाड़ा : मांझी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दी प्रतिक्रिया

गया जी(एजेंसी) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक व्यक्तिगत टिप्पणी किए जाने पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कड़ी निंदा की है। श्री मांझी ने कहा है कि राहुल गांधी की इन्हीं बचकानी हरकतों की वजह से कांग्रेस देश में विलुप्त होती जा रही है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि लगातार राजनीतिक विफलता की वजह से राहुल गांधी हताश हो गए हैं। चुनाव दर चुनाव और कांग्रेस की जिस तरह से देशभर हार हो रही है, उसने राहुल गांधी की मानसिक स्थिति और संतुलन को बिगाड़ दिया है। राहुल गांधी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री को लेकर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है उसे देश की जनता देख रही है। श्री मांझी ने कहा है कि देश की जनता राहुल गांधी के राजनीतिक स्तरहीनता को देखकर यह मन बना रही है कि अब देश पूरी तरह कांग्रेस मुक्त हो जाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 'खुद्दार' हैं और यह बात देश की जनता अच्छी तरीके से जानती है। राहुल गांधी जिस तरह प्रधानमंत्री के लिए सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं उसका लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। जो व्यक्ति खुद ना घर का हो ना घाट का उसे ऐसे ही अमर्यादित भाषा की उम्मीद भी की जा सकती है।

डीजे पर डांस करते चला दी पिस्तौल, एक युवक को लगी गोली

पटना(एजेंसी) : बिहार में शादी समारोहों के दौरान होने वाली हर्ष-फायरिंग की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। तमाम कानूनी सख्ती और पुलिस प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद लोग खुलेआम हथियार लहराने और फायरिंग करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला बीते सोमवार देर रात सदर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-46 स्थित कालीगंज का है, जहां एक शादी समारोह में डीजे की धुन पर की गई फायरिंग से एक युवक घायल हो गया। घटना के बाद शादी का माहौल अफरातफरी और तनाव में बदल गया।

जानकारी के अनुसार कालीगंज निवासी उधाई मंडल के पुत्र बिरजू मंडल की बारात बायसी प्रखंड के मलहरिया गांव जाने वाली थी। बारात निकलने से पहले घर के बाहर डीजे बज रहा था। लोग नाच-गाने में मशगूल थे। इसी दौरान दूल्हे के मौसेरे भाई आशीष कुमार और आदित्य कुमार सहित तीन युवक भोजपुरी गानों पर डांस करते हुए एक अवैध पिस्टल लहराने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही ह्हअंड्ड-बंड्ड नहीं, बहुबली हैंड्ड हर जिला हर गांव में शूटर पोसने बानीह्ह गाना बजा, युवकों का उत्साह और बढ़ गया बताया जा रहा है कि नशे में धुत एक युवक ने पिस्टल से लगातार तीन राउंड फायरिंग की। चौथी गोली बारात देखने पहुंचे पड़ोसी युवक कुंदन पासवान के पैर में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली लगते ही मौके पर भगदड़ मच गई। गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पकड़कर पिटाई कर दी और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया।घायल कुंदन पासवान का इलाज के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। सदर थानाध्यक्ष राजू कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों के पास से हथियार बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बिहार पुलिस महकमा में बड़ा फेरबदल: एक एसपी समेत 5 आईपीएस और 8 डीएसपी का तबादला

पटना, (एजेंसी) : बिहार के गृह विभाग ने राज्य में पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए एक एसपी सहित 5 आईपीएस और 8 डीएसपी अधिकारियों के तबादले की अधिसूचना जारी कर दी है। इस बदलाव के तहत कई जिलों और विशेष इकाइयों में अधिकारियों की नई तैनाती की गई है। तबादले के अनुसार, नवगछिया के एसपी राजेश कुमार को साइबर अनुसंधान एवं अभियान, आर्थिक अपराध इकाई, पटना भेजा गया है। वहीं वैभव शर्मा को नवगछिया का नया एसपी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, पटना सिटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव कुमार का तबादला पूर्णिया किया गया है। बांका के पुलिस उपाधीक्षक अनुपेश नारायण को सुपौल भेजा गया है। अपराध अनुसंधान विभाग, पटना में तैनात पुलिस उपाधीक्षक विकास कुमार को विशेष कार्य बल में नई जिम्मेदारी दी गई है। जहानाबाद (साइबर क्राइम) के डीएसपी गोपाल कृष्ण को कैमूर जिले के मोहनियां में पदस्थापित किया गया है। वहीं पूर्णिया के ट्रैफिक डीएसपी कौशल किशोर कमल को अपराध अनुसंधान विभाग, पटना भेजा गया है। इसके साथ ही अपराध अनुसंधान विभाग, पटना में तैनात रंजन कुमार सिंह को पूर्णिया यातायात पुलिस का नया उपाधीक्षक बनाया गया है। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के बाद संबंधित अधिकारियों को जल्द नई जगहों पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

राजद की छात्र इकाई ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया

पटना, (एजेंसी) : राष्ट्रीय जनता दल की छात्र इकाई सोशलिस्ट स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में नीट पेपर लीक के खिलाफ बुधवार को पटना में आयोजित प्रतिरोध मार्च को राजद प्रदेश कार्यालय के गेट पर ही पुलिस प्रशासन द्वारा रोक दिया गया। इस प्रदर्शन कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में छात्र एवं युवा शामिल थे। जब प्रदर्शनकारी राज्य कार्यालय से निकल रहे थे तो बड़ी संख्या में उपस्थित पुलिस वालों ने प्रदर्शनकारियों को राजद कार्यालय के गेट पर ही रोक दिया। छात्र नेताओं का कहना था कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का खुला हनन है। छात्र नेताओं ने कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि छात्रों की आवाज को इस तरह दबाया नहीं जा सकता। लाखों युवाओं के भविष्य के साथ हुए अन्याय के खिलाफ उठी यह आवाज अब रुकने वाली नहीं है। नीट पेपर लीक केवल एक परीक्षा का मुद्दा नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य से जुड़ा सवाल है। यदि सरकार हमारी मांगों को गंभीरता से नहीं मानती है,

तो यह संघर्ष आगे चलकर व्यापक जन आंदोलन का रूप लेगा। सोशलिस्ट स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया छात्रों, युवाओं और आम जनता की आवाज बनकर लगातार संघर्ष करता रहेगा। इस प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा शामिल थे। छात्र छात्राएं नारा लगाते हुए राजद कार्यालय से निकले। नारा लगा रहे थे ह्लपेपर लीक बंद करोह्व ह्लछात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करोह्व,ह्लशिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लागू करोह्व। इस प्रतिरोध मार्च का नेतृत्व करने वाले और प्रदर्शन मैं शामिल होने वाले छात्रों ने बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। इस अवसर पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अली अशरफ फातमी, राष्ट्रीय महासचिव बीनू यादव, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, मुकुंद सिंह, मधु मंजरी, फैयाज आलम, भाई अरुण, बल्ली यादव, हरेंद्र कुशवाहा, कुमर राय, उत्पल बल्लभ, विक्रांत रॉय, हिमांशु यादव, रंजन यादव, प्रत्यूष राज, अभिषेक यादव, मनीष अनिकेत, राहुल रंजन, श्रेया कुमारी, पूजा यादव, अर्चना यादव, गणेश कुमार यादव, अबगीना खान, सुमन शेखर, रहमत अली, अजमल कमाल, लालू कुमार, कृष्णा यादव, रोहित यादव, सत्यजीत कुमार, बिलाल खान, अविनाश राय, बिंदन यादव, अमरेंद्र कुमार, संजय सहनी, दिलखुश रॉय, बिट्टू कुमार, नागमणि कुमार, रंजीत यादव, सोनू यादव, अभिनीत मिश्रा, सतीश कुमार, विमल राय, उपेन्द्र चंद्रवंशी, शाहरुख शाहिद आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर बिहार सरकार करेगी बड़ी कार्रवाई: अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और ढाबों पर चलेगा अभियान

पटना,(एजेंसी) : बिहार सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण, अनधिकृत पार्किंग और असुरक्षित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और हाईवे सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्यभर में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। बुधवार को मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में बिहार सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित हुई, जिसमें परिवहन विभाग, पथ निर्माण विभाग, एनएचएआई, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नगर विकास विभाग और पुलिस मुख्यालय के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि नवंबर 2025 में फलोदी और रंगारेड्डी में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के कारण भीषण सड़क हादसे हुए थे, जिनमें 34 लोगों की मौत हो गई थी। इन घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को हाईवे को अतिक्रमण मुक्त करने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के राइट ऑफ वे क्षेत्र में भारी और व्यावसायिक वाहनों की अनधिकृत पार्किंग पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अब वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित ट्रक ले-बाय और वे-साइड अमेनिटी स्थलों पर ही की जा सकेगी। नियम तोड़ने वालों पर जुमार्ना और अन्य कानूनी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बने अनधिकृत ढाबों, होटलों और अन्य व्यावसायिक संरचनाओं को 20 दिनों के भीतर हटाने का निर्देश दिया गया है। तय समय के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटने पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली डिस्ट्रिक्ट हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स संयुक्त कार्रवाई करेगी। राज्य सरकार ने हाईवे के राइट ऑफ वे क्षेत्र में नए ढाबे, होटल या अन्य व्यावसायिक निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। किसी भी नए निर्माण से पहले संबंधित विभाग से एनओसी लेना अनिवार्य होगा। जिन ढाबों, होटलों या प्रतिष्ठानों का प्रवेश सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से है, उन्हें वैकल्पिक पहुंच मार्ग बनाना होगा। ऐसा नहीं करने पर कंट्रोल ऑफ नेशनल हाईवे एक्ट 2002 के तहत कार्रवाई की जाएगी। पथ निर्माण विभाग ने स्पष्ट किया है कि राइट ऑफ वे क्षेत्र के बाहर लेकिन हाईवे सेफ्टी जोन के भीतर स्थित भवनों को भी संबंधित विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेना अनिवार्य होगा। आवासीय क्षेत्र के लिए यह सीमा 40 मीटर और व्यावसायिक क्षेत्र के लिए 75 मीटर तय की गई है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण या अवैध पार्किंग की जानकारी आम लोग टोल-फ्री नंबर 1033 और राजमार्ग यात्रा के माध्यम से दे सकते हैं।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष को राजद प्रवक्ता ने दी नसीहत

पटना, (एजेंसी) : जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा द्वारा राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के विरोध में दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि तेजस्वी जी के खिलाफ कोई भी प्रतिक्रिया देने के पहले कुशवाहा जी को तेजस्वी जी द्वारा कही बातों को ठीक से पढ़ लेना और उसे ठीक से समझ लेना चाहिए। उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि जिस राजद शासनकाल को वे जंगलराज कह रहे हैं, उस समय वे राजद के ही सदस्य थे और 2005 में विधानसभा का चुनाव भी वे राजद उम्मीदवार के रूप में ही लड़े थे। राजद प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव द्वारा कोई भी मुद्दा क्यों न उठाया जाए, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा केवल डेट बदलकर एक ही घिसा-पीटा बयान को बार-बार दोहराया जाता है। जबकि सत्ताधारी दल के प्रदेश अध्यक्ष के नाते उन्हें उन मुद्दों पर जबाब देना चाहिए जिसे तेजस्वी जी या अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा उठाया जाता है। वास्तविकता यह है कि तेजस्वी यादव द्वारा कानून व्यवस्था, महिलाओं की स्थिति, नौकरी और रोजगार, महंगाई, सरकार द्वारा किए गए वादे की जमीनी हकीकत जैसे मुद्दों पर जब सरकार से सवाल किया जाता है तो सत्ता में बैठे लोगो के पास उसका कोई सार्थक जवाब है ही नहीं तो फिर बोलेंगे क्या ? राजद प्रवक्ता ने कहा कि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा जी हमारे पुराने साथी हैं। 2001 में हम दोनों एक साथ जिला परिषद के सदस्य रह चुके हैं। एक ही जिला के हैं और काफी दिनों तक हम दोनों एक ही दल में भी रहे हैं। इसलिए उनके द्वारा दिए जा रहे फूहड़ बयानों को देखकर हैरानी होती है। यह बात सही है कि जदयू का पूर्णतः भगवाकरण हो गया है और दल का अस्तित्व अब केवल कागजी रह गया है

अवैध हथियार के साथ दो गिरफ्तार, भैरव स्थान थाना ने गुप्त सूचना पर की कार्रवाई

मधुबनी, (एजेंसी) : मधुबनी जिले के भैरवस्थान थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से एक देशी कट्टा, एक मोटरसाइकिल एवं दो मोबाइल फोन बरामद किया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में पुलिस जुटी है। इसकी जानकारी देते एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि 19 मई की दोपहर करीब 2.15 बजे भैरवस्थान थाना को सूचना मिली कि ग्राम रैयाम में कुछ लोग अवैध हथियार की खरीद-बिक्री की साजिश रच रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस अवर निरीक्षक बसंत कुमार के नेतृत्व

में एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई.पुलिस टीम जब रैयाम स्थित मनीसैर पोखर के पास पहुंची, तो वहां एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के निकट दो संदिग्ध युवक खड़े दिखाई दिए। पुलिस बल को देखते ही दोनों भागने लगे। लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्त माधव कुमार झा के पास से एक अवैध देसी कट्टा बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान माधव कुमार झा, पिता फिरोज झा एवं आदर्श कुमार झा, पिता मदन झा, दोनों निवासी रूपनगर थाना बिरौल जिला दरभंगा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में भैरवस्थान थाना में सुसंगत धाराओं के तहत कांड दर्ज कर लिया गया है। साथ ही गिरफ्तार आरोपितों के आपराधिक इतिहास तथा हथियार तस्करी से जुड़े अन्य संपर्कों की जांच की जा रही है। आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा,एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एसपी ने कहा कि अपराध एवं अवैध हथियार कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

नाबालिग चालकों पर प्रशासन सख्त, अभिभावकों से वसूला जाएगा भारी जुमार्ना

गया जी (एजेंसी) : गया जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने ट्रैफिक जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। जिले में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की बढ़ती घटनाओं और उससे हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अपर जिला परिवहन पदाधिकारी बेबी कुमारी के नेतृत्व में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को शहर के डेल्हा, कुजापी, सिकड़िया मोड़ आदि स्थानों में चलाये गए अभियान के तहत लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने और नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं देने की अपील की गई है। वाहनों की जांच सह जागरूकता अभियान के दौरान बताया गया कि यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते पकड़ा जाता है तो उसके अभिभावकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मोटर वाहन अधिनियम के तहत माता-पिता

या वाहन मालिक पर 25 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इसके अलावा वाहन का रजिस्ट्रेशन रद्द करने और चालक के भविष्य में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने पर भी रोक लगाई जा सकती है। ट्रैफिक नियमों तथा परिवहन विभाग के नियमों का पालन नहीं करते पकड़े गए वाहनों से जमाने की वसूली की गई।

स्कूल, कोचिंग और बाजार क्षेत्रों में चलेगा विशेष अभियान

परिवहन विभाग ने जिले के स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों और भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्रों के आसपास विशेष जांच अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम नियमित रूप से वाहन जांच करेगी। हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात और उम्र संबंधी प्रमाणों की जांच की जाएगी। अपर जिला परिवहन पदाधिकारी बेबी कुमारी ने कहा कि नाबालिगों की लापरवाही कई बार गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कम उम्र में वाहन चलाने के दौरान यातायात नियमों की जानकारी और अनुभव की कमी के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। जागरूकता और सख्ती दोनों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का शत-प्रतिशत पालन करें और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

हाजीपुर मुख्यालय में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सम्मेलन का किया गया आयोजन

हाजीपुर(एजेंसी) : बुधवार को पूर्व मध्य रेलवे के हाजीपुर मुख्यालय स्थित नए सम्मेलन कक्ष में लेखा विभाग द्वारा वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार नीरज वर्मा, प्रधान वित्त सलाहकार/निर्माण श्रीमती वंदना शर्मा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, विभिन्न मंडलों एवं इकाइयों से आए वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक तथा लेखा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।सम्मेलन के मुख्य अतिथि 1988 बैच के सेवानिवृत्त आईआरएएस अधिकारी संतोष कुमार पट्टनायक थे। सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे की वित्तीय स्थिति एवं विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत परिचर्चा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक/समस्तीपुर गणनाथ झा के द्वारा स्ट्रीमलाइनिंग ऑफ रिलिज्ड मटेरियल इश्यू विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। वहीं मंडल वित्त प्रबंधक/धनबाद श्री हर्षवर्द्धन सिंह ने कोल पायलट पॉलिसी तथा मंडल वित्त प्रबंधक/सोनपुर श्री मनीष कुमार ने मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य अतिथि श्री पट्टनायक ने ग्रीन फाइनेंसिंग विषय पर व्याख्यान देते हुए पारंपरिक वित्तपोषण एवं ग्रीन फाइनेंसिंग के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए भविष्य ग्रीन फाइनेंसिंग का है तथा भारतीय रेल इस दिशा में निरंतर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित वर्ष 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने हेतु रेलवे को सक्रिय रूप से कार्य करना होगा। साथ ही उन्होंने वित्त अधिकारियों को रेल परियोजनाओं में ग्रीन फाइनेंसिंग की व्यापक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया।महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रीन फाइनेंसिंग एक नई एवं उभरती कार्यप्रणाली है। मुख्य अतिथि का व्याख्यान अत्यंत सारगर्भित एवं भविष्य की परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शक है, जिसका अनुपालन रेलवे तथा देशहित दोनों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

बीते 16 महीने में महिला कोच में अनाधिकृत सफर करने वाले 13 सौ 93 यात्री को पकड़ा गया

आरपीएफ की मेरी सहेली टीम ने तेज की विशेष जांच अभियान

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे ने महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाना शुरू कर दिया है। महिला स्पेशल कोच में पुरुष यात्रियों के अनाधिकृत सफर की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रेलवे प्रशासन और आरपीएफ ने विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसी आलोक में गया-कोडरमा रेल सेक्शन सहित कई महत्वपूर्ण सेक्शनों में अब महिला कोचों की निगरानी और जांच को और तेज किया गया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार महिला यात्रियों, विशेषकर अकेले सफर करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए ट्रेनों में अतिरिक्त महिला कोच की सुविधा पहले से उपलब्ध कराई गई है। इसके बावजूद कई ट्रेनों में पुरुष यात्रियों द्वारा महिला कोच में जबरन सफर करने की शि-ाकायतें सामने आ रही थीं जिससे महिला यात्रियों को असुविधा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा था।पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन ने अपनाया सख्त रुखमामले को गंभीरता से लेते हुए पूर्व मध्य रेलवे के जीएम छत्रसाल सिंह और आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। रेलवे प्रशासन ने साफ किया है कि महिला कोच में अनधिकृत रूप से यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ अभियान

लगातार जारी रहेगा।

गया और कोडरमा आरपीएफ की बढ़ी निगरानीगया जंक्शन के आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा कोडरमा आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार के नेतृत्व में विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। गया-कोडरमा रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों के महिला कोचों में आरपीएफ की मेरी सहेली विंग की तैनाती बढ़ा दी गई है। अभियान के दौरान महिला कोच में सफर कर रहे पुरुष यात्रियों को पकड़ा जा रहा है और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि महिला यात्रियों को सुरक्षित माहौल मिल सके।गया जंक्शन व कोडरमा स्टेशन पर 16 महीने में 1393व पकड़े गएमहिला कोच में अनाधिकृत सफर पर रेलवे की सख्ती के तहत की गई कार्रवाई में 16 महीने में 690 पुरुष यात्रियों को पकड़ा गया।महिला कोच में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ आरपीएफ लगातार कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2025 में 430 लोगों को गिरफ्तार कर 1 लाख 20 हजार 800 रुपये जुमार्ना वसूला गया। वहीं वर्ष 2026 में अब तक 260 यात्रियों को पकड़ा गया है तथा 78 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया है। इसी तरह कोडरमा-गया सेक्शन पर कोडरमा आरपीएफ ने वर्ष 2025 में 636 पुरुष यात्री को पकड़ा गया, जिनसे 67 हजार 800 रुपये जुमार्ना वसूला गया। साथ हीवर्ष 2026 (18 मई तक) 23, लोग पकड़े गए। जुमार्ना 2 हजार 300 रुपये वसूल किये गए।पूर्व मध्य रेलवे के आरपीएफ आ-ईजी अमरेश कुमार ने बताया कि ट्रेनों के महिला कोचों में पुरुष यात्रियों के सफर करना रेल नियम के विरुद्ध है। जांच और कार्रवाई के लिए आरपीएफ की मेरी सहेली विंग की तैनाती बढ़ा दी गई है।आरपीएफ की टीम ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों को जागरूक भी कर रही है। लोगों से अपील की जा रही है कि महिला कोच केवल महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित रखा जाए और कोई भी पुरुष यात्री उसमें सफर न करे। रेलवे का उद्देश्य महिलाओं को सु-रक्षित, सम्मानजनक और निर्भय यात्रा वातावरण उपलब्ध कराना है।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में काली के पुजारियों का भत्ता बंद

पश्चिम बंगाल की सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम बंगाल के इमाम और पुजारियों को जो भत्ता ममता सरकार द्वारा दिया जा रहा था, 1 जून 2026 से दोनों के भत्ते बंद करने का निर्णय किया है। इस निर्णय की पश्चिम बंगाल में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। टीएमसी के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी साल मार्च माह से धार्मिक नेताओं के भत्ते में 500 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि की थी। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के इमाम को हर महीने 3000 रुपए तथा पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। भाजपा की सरकार ने अब यह मानदेय बंद करने का निर्णय लिया है। इसका असर संपूर्ण पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच होना तय है। पश्चिम बंगाल में काली की पूजा होती है। पश्चिम बंगाल में पूजा में बली और खाने-पीने में मांसाहार का बड़ा उपयोग होता है। बंगाल में हजारों की संख्या में पुजारियों को यह मानदेय मिल रहा था। पुजारियों को आशा थी, नई सरकार इमाम और मुअज्जीन का भत्ता बंद करेगी। हिंदू पुजारियों को 3000 रुपए महीने का मानदेय देने का निर्णय करेगी। सरकार ने दोनों समुदाओं के धार्मिक गुरुओं का भत्ता बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दो अलग-अलग भागों में बांटा जा रहा है। हजारों वर्ष पूर्व हिंदुओं में वैष्णव और शेव शाक्त के बीच में विवाद होते रहे हैं। हिन्दू समुदाय तीन भागों में बटे हुए थे। शुभेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में इसी विवाद को फिर से खड़ा कर दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल का चुनाव हिंदुओं के नाम पर लड़ा है। हिंदू पुजारियों को आशा थी, उनका मानदेय बढ़ाया जाएगा। सरकार ने बढ़ाने के स्थान पर बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जय श्री राम के उद्घोष के साथ वहां पहुंची है। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के लोग पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से बंगाली पुजारियों में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। उनका मानना है वह शाक्त भक्त हैं, मां काली की पूजा करते हैं। काली की तांत्रिक पूजा अलग तरह की होती है, जिसे वैष्णव और शैव स्वीकार नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सरकार बनने के बाद सरकार, पश्चिम बंगाल के पुजारियों के साथ हिन्दुओं में जो भेदभाव कर रही है। उससे यह धारणा बन रही है, पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी की सरकार हिंदुओं को हिंदुओं के बीच में बांटने का काम कर रही है।

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है।

: विनोबा भावे

एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है, दूसरों से उधार लेकर पर काम चलाने में नहीं।

: इंदिरा गांधी

दैनिक पंचांग

21 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	कर्क में
मंगल	मेष में
बुध	वृष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	04.55 बजे से
मिथुन	06.57 बजे से
कर्क	09.11 बजे से
सिंह	11.27 बजे से
कन्या	13.39 बजे से
तुला	15.50 बजे से
वृश्चिक	18.04 ब.से
धनु	20.20 बजे से
मकर	22.25 बजे से
कुंभ	00.12 बजे से
मीन	01.45 बजे से
मेष	03.15 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 141 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 08.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
योग गण्ड 10.59 बजे को समाप्त।
करण बालव 08.27 बजे तदनन्तर कौलव 19.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20^{0} 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872716
जूलियन दिन 2461181.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 04
विशेष अधिक स्कन्द षष्ठी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7518

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
■ *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
■ *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
■ *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7517 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

पृथ्वी पर जीवन के लिए खतरा है बढ़ता वैश्विक तापमान

मानवीय गतिविधियों और अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, जिससे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है और मौसम का चक्र पूरी तरह से असंतुलित हो गया है। इसके प्रभाव गंभीर प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु संकट के रूप में सामने आ रहे हैं। कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों, विशेष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन का स्तर तेजी से बढ़ रहा है।जंगलों को लगातार काटने से कार्बन को सोखने वाले प्राकृतिक साधनों में भारी कमी आई है। कारखानों और वाहनों विशेष कर हवाई जहाज से निकलने वाला धुआं पर्यावरण को लगातार गर्म कर रहा है।पृथ्वी के तापमान में हो रही वृद्धि से ग्लेशियर और ध्रुवीय बर्फ तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। कभी सूखा तो कभी अत्यधिक बारिश की स्थिति बन रही है। इसके अलावा भीषण गर्मी (हीटवेव) का प्रकोप बढ़ता जा रहा है लगातार गर्म होते समुद्रों और बदलते मौसम से समुद्री जीवों का जीवन और कृषि उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे है ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक जीव यहां तक कि वनस्पति भी त्रस्त है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। चूंकि यह एक शुरूआत भर है, इसलिए अगर हम अभी से नहीं संभलें तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है।

वैज्ञानिक अनुसंधान की रिपोर्ट बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग धरती के वातावरण के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी है। हमारी धरती प्राकृतिक तौर पर सूर्य की किरणों से उष्मा प्राप्त करती है। ये किरणें वायुमंडल से गुजरती हुईं धरती की सतह से टकराती हैं और फिर वहीं से परावर्तित होकर पुनः लौट जाती हैं। धरती का वायुमंडल कई गैसों से मिलकर बना है जिनमें कुछ ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं इससे धरती के ऊपर एक प्रकार से एक प्राकृतिक आवरण बना लेती हैं। यह आवरण लौटती किरणों के एक हिस्से को रोक लेता है और इस प्रकार धरती के वातावरण को गर्म बनाए रखता है। गौरतलब है कि मनुष्यों, प्राणियों और पौधों के जीवित रहने के लिए कम से कम 16 डिग्री सेल्शियस तापमान आवश्यक होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीनहाउस गैसों में बढ़ोतरी होने पर यह आवरण और भी सघन होता जाता है। ऐसे में यह आवरण सूर्य की अधिक किरणों को रोकने लगता है और फिर यहीं से ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव शुरू हो जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार तो मनुष्य और उसकी गतिविधियां ही हैं। मानव यूं तो अपने आप को इस धरती का सबसे बुध्दिमान प्राणी समझते हैं लेकिन मनुष्य अनजाने में या जानबूझकर अपने ही जीवन को खत्म करने पर तुला हुआ है। मनुष्य जनित मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृध्दि हो रही है। वाहनों, हवाई जहाजों, बिजली बनाने वाले संयंत्रों उद्योगों इत्यादि से अंधाधुंध होने वाले गैसीय उत्सर्जन की वजह से कार्बन डायआक्साइड में बढ़ोतरी हो रही है। जंगलों का बड़ी संख्या में हो रहा विनाश इसकी दूसरी वजह है। जंगल कार्बन डायआक्साइड की मात्रा को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं, लेकिन जंगलों की बेतहाशा कटाई से यह प्राकृतिक नियंत्रक भी हमारे हाथ से छूटता जा रहा है।

इसकी एक अन्य वजह सीएफसी है जो रेफ्रीजिरेटर्स, अग्निशामक दमकल यंत्रों इत्यादि में इस्तेमाल की जाती है। यह धरती के ऊपर बने एक प्राकृतिक आवरण ओजोन परत को नष्ट करने का काम करती है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली घातक पराबैंगनी किरणों को धरती पर आने से रोकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ओजोन परत में एक बड़ा छिद्र हो चुका है जिससे पराबैंगनी किरणें सीधे धरती पर पहुंच रही हैं और इस तरह से उसे लगातार गर्म बना रही हैं। यह बढ़ते तापमान का ही नतीजा है कि ध्रुवों पर सदियों से जमी बर्फ भी पिघलने लगी है। विकसित या हो अविकसित देश, हर जगह बिजली की जरूरत बढ़ती जा रही है। बिजली के उत्पादन के लिए जीवाष्म ईंधन का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में करना पड़ता है। जीवाष्म ईंधन के जलने पर कार्बन डायआक्साइड पैदा होती है जो ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव को बढ़ा देती है। इसका नतीजा ग्लोबल वार्मिंग के रूप में सामने आता है।

पिछले दस सालों में धरती के औसत तापमान में 0.3 से 0.6 डिग्री सेल्शियस की बढ़ोतरी हुई है। आशंका यही जताई जा रही है कि आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग में और बढ़ोतरी ही होगी।यूपी के बांदा में 19 मई को तापमान 48 सेल्सियस तक पहुंच गया वह दिन दूर नहीं जब देश भर में यही तापमान जीवन को अस्तव्यस्त करेगा।

ग्लोबल वार्मिंग को लेकर कई दशकों से वैज्ञानिक चिंता जाहिर कर रहे थे, लेकिन सरकार और आम जनता दोनों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जिस वजह से अब मौसम में भयानक बदलाव हो रहा है। इस साल मार्च से ही भीषण गर्मी शुरू हो गई थी। अब तो भारत के ही कई शहरों में पारा 50 डिग्री के आसपास है। इस बीच एक और चिंताजनक खबर सामने आई है।गुजरात में भी इन दिनों गर्मी का कहर जारी है। इंसान तो एसी, पंखे और कूलर का सहारा लेकर खुद को किसी तरह बचा ले रहे, लेकिन बेजुबानों के लिए ये गर्मी काल बन गई है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी गुजरात में बड़ी संख्या में पक्षी आसमान से बेहोश होकर गिर रहे, इसके पीछे की वजह भीषण गर्मी है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अब तापमान इतना ज्यादा हो गया है कि पक्षी उसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि आज पक्षी बेहोश होकर गिर रहे हैं आने वाली विपदा का संकेत है यही दशा मानव समुदाय की होने वाली है। आज भी हजारों लोग लू और बढते तापमान को झेल नहीं पाते हैं और हीट स्ट्रोक, ब्रैन हेमरेज आदि की चपेट में आकर असमय जान गंवा देते हैं।

साल दर साल धरती का तापमान बढ़ेगा जिससे ग्लैशियरों पर जमा बर्फ पिघलने लगी है । ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर मनुष्य पर ही पड़ेगा और कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पडेगा। गर्मी बढ़ने से मलेरिया, डेंगू और यलो फीवर जैसे संक्रामक रोग बढ़ेंगे। संभवत कोरोना भी इसी कड़ी का हिस्सा है। वह समय भी जल्दी ही आ सकता है जब हममें से अधिकाशं को पीने के लिए स्वच्छ जल, खाने के लिए ताजा भोजन और श्वास लेने के लिए शुध्द हवा भी नसीब नहीं हो। ग्लोबल वार्मिंग का पशु-पक्षियों और वनस्पतियों पर भी गहरा असर पड़ेगा। माना जा रहा है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही पशु-पक्षी और वनस्पतियां धीरे-धीरे उत्तरी और पहाड़ी इलाकों की ओर प्रस्थान करेंगे, लेकिन इस प्रक्रिया में कुछ अपना अस्तित्व ही खो देंगे।

इसमें कोई शक नहीं है कि गर्मी बढ़ने से ठंड भगाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली ऊर्जा की खपत में कमी होगी, लेकिन इसकी पूर्ति एयर कंडिशनिंग में हो जाएगी। घरों को ठंडा करने के लिए भारी मात्रा में बिजली का इस्तेमाल करना होगा। बिजली का उपयोग बढ़ेगा तो उससे भी ग्लोबल वार्मिंग में इजाफा ही होगा। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटा जा सकता है। बशर्ते इसके लिए हमें कई प्रयास करने होंगे। इसके तहत हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम करना होगा।सोलर सिस्टम भी वातावरण को उष्मा दे रहे हैं अनुसंधान बता रहे हैं कि जिन शहरों में सोलर सिस्टम अधिक हैं वहां का तापमान तुलनात्मक एक से दो सेलशियस बढ़ जाता है।

क्या यह जिम्मेदारी केवल सरकार की है? साधन सम्पन्न लोग तमाम तरह से मनमाना आचरण करते हैं पानी का अपव्यय उर्जा का अपव्यय दूसरों के जीवन में असहजता लाता है लेकिन छोटे गाँव कस्बों में भी सबमर्सिबल पंप और हर कमरे में एसी लगाना स्टेटस सिंबल बन गया है। हम सभी भी पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं।जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। इससे भी ग्लोबल वार्मिंग के असर को किया जा सकता है। तकनीक का विकास कर हमें ऐसे रेफ्रीजरेटर्स बनाने होंगे जो सीएफसी का उपयोग न करें। अब भी नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है- आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो। भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर ह्यथानुह्न (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरूआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंततः 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंततः वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया।वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे खतरनाक बात यह है कि अंततः यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं-बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है। इसका उद्देश्य आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर हमलों, ड्रोन खतरों तथा संगठित आतंकी नेटवर्क से समन्वित तरीके से निपटना है। इतना ही नहीं, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नार्वे में 19 मई 2026 मंगलवार को तीसरे भारत-नार्डिक समिट में हिस्सा लिया है, जहां नार्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता जुटे। अच्छी बात यह रही कि इस समिट के दौरान सभी नेताओं ने हर प्रकार के आतंकवाद और कट्टरपंथ की कड़ी निंदा करते हुए सीमापार आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई है। इतना ही नहीं,इस समिट के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की भी कड़े शब्दों में निन्दा की गई है।

बहरहाल, आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शांति, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जाए। आतंकवाद से लड़ना केवल सरकारों या सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें मानव जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर प्रकार की विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहना होगा।अंत में किसी कवि की इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बात समाप्त करना उचित होगा-हर घर में दीप जलाना होगा, आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा।ह्यअह्न से अमरुद, ह्यचह्न से चरखा छोड़, ह्यअह्न से अमन, ह्यचह्न से चैन पढ़ाना होगा। मेरी धरती, मेरा देश छोड़, हमारी धरती, हमारा देश सिखाना होगा। हर एक देश के नागरिक को अब, देश का पहरेदार बनाना होगा। धरती माँ की छाती से ह्यआतंकवादह्न शब्द को मिटाना होगा। वास्तव में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। शांति, संवाद, शिक्षा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवता की रक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा देता है।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

क्या है भारत में विद्या व विद्यार्थियों का भविष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारा देश से की जा रही मन की बात के 131वें एपिसोड में गत 22 फरवरी 2026 को छात्रों से परीक्षा पे चर्चा की थी। अपने इस संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिये गये उपदेशों में कहा कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। शिक्षा जीवन को संवारने का एक माध्यम है, जबकि परीक्षा केवल आत्म-मूल्यांकन का जरिया है। उन्होंने छात्रों से परीक्षा को किसी बड़े बोझ या हौवे के रूप में देखने के बजाय इसे एक उत्सव की तरह मनाने की अपील की थी । पढ़ाई, आराम, शारीरिक खेलकूद और अपने शौक के बीच एक सही संतुलन बनाने को जरूरी बताया था। मोदी ने छात्रों को सलाह दी थी कि कुछ छात्र रात में पढ़ना पसंद करते हैं तो कुछ सुबह जल्दी, अपनी इसी मूल शैली पर विश्वास रखें। उन्होंने छात्रों को यह सलाह भी दी कि वे अपने मन की चिंताओं को अपने माता-पिता और परिवार के साथ खुलकर साझा करें, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। अभिभावकों को सलाह देते हुये उन्होंने कहा था कि माता-पिता को बच्चों पर उनकी इच्छा के विरुद्ध विशिष्ट करियर चुनने का दबाव नहीं बनाना चाहिए। हर बच्चा अपने आप में अनूठा होता है। इसी तरह उन्होंने शिक्षकों को भी सलाह दी कि उन्हें छात्रों की सीखने की गति को समझना चाहिए और उनके लिए ऐसे लक्ष्य तय करने चाहिए जो पहुंच में हों लेकिन जिन्हें प्राप्त करने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़े।

प्रधानमंत्री के उपरोक्त कथन में यह बात पूरी तरह विरोधाभासी है कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। क्योंकि आज के दौर में एडमिशन,वरीयता सूची,श्रेणी निर्धारण,चयन आदि हर जगह अंक प्रतिशत की ही होड़ लगी हुई है। परन्तु प्रधानमंत्री ने इन्हीं छात्रों को कभी यह नहीं बताया कि यदि आपकी जी तोड़ मेहनतों के बाद परीक्षा के पर्चे लीक हो जायें व परीक्षा ही स्थगित कर दी जाये तो आखिर छात्रों को ऐसे सदमे से कैसे उबरना चाहिये। और जो छात्र इस कुप्रबंधन का शिकार होकर किसी कारणवश पुनः परीक्षा में बैठने योग्य न रह सके और इसी कारण उसका जीवन व भविष्य चौपट हो जाये उस छात्र को उसके अभिभावकों को या फिर सरकार अथवा इस दुर्व्यवस्था के जिम्मेदारों को क्या करना चाहिये ? हालाँकि प्रधानमंत्री मोदी पेपर लीक के मुद्दे पर जुलाई 2024 में संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपना आधिकारिक बयान दे चुके है। उन्होंने संसद में देश के हर छात्र और नौजवान को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि सरकार परीक्षाओं में होने वाली ऐसी गड़बड़ियों और पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी आरोपी या माफिया को कतई बख़्शा नहीं जाएगा और उन्हें सख़्त से सख़्त सजा दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रणाली और पूरे सिस्टम को पुख़्ता व पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा युद्ध स्तर कदम उठाने की बात कही थी।

परन्तु आश्चर्य की बात तो यह है कि प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भी पेपर लीक की घटना समाप्त नहीं हुई है। अभी इसी मई 2026 में आयोजित हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक विवादों और धांधली की शिकायतों के बाद सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया है और अब इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। इस परीक्षा में 22,05,035 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। आज इन 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। पेपर लीक और उसे रद्द किए जाने से उपजे मानसिक तनाव के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों से कम से कम 4 छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की दुखद खबरें सामने आई हैं। इनमें एक छात्र प्रदीप मेघवाल (उम्र 22 वर्ष) राजस्थान के झुंझुनूं जिले का था जबकि ऋतिक मिश्रा (उम्र 21 वर्ष) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का निवासी था। यह ऋतिक का नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास था और वे इस बार चयन को लेकर बेहद आश्वस्त था। परीक्षा रद्द होने की खबर से वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गया था। इसी तरह 20 वर्षीया अंशिका दिल्ली के आजादपुर (आदर्श नगर) इलाके की रहने वाली थी। जबकि 17 वर्षीय सिद्धांत हेगड़े दक्षिण गोवा के कर्टोरिम का रहने वाला था। हेगड़े पेपर लीक की घटना से इतना आहत था कि उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अब और प्रतियोगी परीक्षाएं नहीं देना चाहता।

एक तरफ तो नीट पेपर लीक के चलते 22 लाख से अधिक मेधावी छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है साथ ही देश में गत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। तो दूसरी तरफ लाखों रुपए खर्च कर अयोग्य व निठल्ले लोग डॉक्टर्स की फर्जी डिग्री लेकर मरीजों की जान से खिलवाड़ करते फिर रहे हैं। पिछले दिनों भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के दमोह जिले से पुलिस ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे सरकारी संजीवनी क्लीनिकों में टइइर की फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे 3 नकली डॉक्टरों को गिरफ़्तार किया। ग्वालियर निवासी कुमार सानू शाक्य, देवेंद्र चौधरी और जबलपुर के पल्लव जैन ने गिरफ़्तारी के बाद पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी टइइर की डिग्रियां और मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट 8,00,000 से 10,00,000 तक में खरीदे थे। दमोह के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जब दस्तावेजों का वेरिफिकेशन कराया गया, तो डिग्री और रजिस्ट्रेशन नंबर पूरी तरह फर्जी पाए गए।

सवाल यह है कि जब नीट जैसी अति महत्वपूर्ण परीक्षा के इतिहास में अब तक 5 बार बड़े स्तर पर पेपर लीक और धांधली के गंभीर मामले सामने आ चुके हों जिनकी आधिकारिक जांच या अदालती कार्यवाही भी हुई हो। इसके अतिरिक्त पिछले कुछ वर्षों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हों जिससे करोड़ों मेधावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है उधर 8 -10 लाख रुपये में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की जा रही हो ऐसे में भारत में विद्या व विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में आसानी से सोचा जा सकता है।

निर्मल रानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में शुरू हुआ 12 मित्र देशों के साथ सैन्य अभ्यास 'प्रगति'

सैन्य टुकड़ियों के स्वागत में दिखा भारत का समृद्ध सांस्कृतिक और आतिथ्य सत्कार

नई दिल्ली, (एजेंसी) : मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में बुधवार से बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति' शुरू हो गया। इस सैन्य अभ्यास में भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम सहित 12 मित्र देश भागीदारी कर रहे हैं। भारतीय सेना ने इन सैन्य टुकड़ियों का गर्मजोशी और पारंपरिक रूप से स्वागत करके भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आतिथ्य सत्कार को दशार्या।

सैन्य अभ्यास 'प्रगति' (पीआ-रएजीएटीआई) का अर्थ हिंद महासागर क्षेत्र में विकास और परिवर्तन के लिए क्षेत्रीय सेनाओं की साझेदारी है, जो समानता, मित्रता और आपसी सम्मान की भावना से आयोजित की जा रही है। यह अभ्यास भाग लेने वाली सेनाओं को पेशेवर आदान-प्रदान करने, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और घनिष्ठ सैन्य संबंध बनाने के लिए साझा मंच प्रदान करता है। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में भारतीय सेना के अपर महानिदेशक (इन्फैंट्री) मेजर जनरल सुनील शेओरान ने सभी टुकड़ियों का स्वागत किया और समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सामूहिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खुलेपन, आपसी सम्मान और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने की तत्परता के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही इस बात पर भी बल दिया कि प्रत्येक राष्ट्र की क्षमता और दृष्टिकोण अभ्यास के सामूहिक उद्देश्यों को हासिल करने में सार्थक योगदान देंगे।

इस अभ्यास के उद्देश्यों में संयुक्त अभियानों में भाग लेने वाले देशों के बीच निर्बाध समन्वय स्थापित करना और सहयोग के सामान्य क्षेत्रों की पहचान करना, विशेषज्ञता साझा करना एवं व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से विकसित सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के आदान-प्रदान के लिए संस्थागत तंत्र स्थापित करना, संयुक्त प्रशिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से रक्षा संबंधों और सौहार्द को मजबूत करने के साथ-साथ बहुराष्ट्रीय परिवेश में खुफिया जानकारी के प्रबंधन और साझाकरण के लिए सामान्य अवधारणाओं को विकसित करना शामिल है। दो सप्ताह तक संचालित होने वाले इस अभ्यास में अर्ध-पहाड़ी और जंगली इलाकों में आतंकवाद-विरोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त योजना अभ्यास, सामरिक स्तर के अभ्यास और समन्वित अभियान शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य भाग लेने वाले सैनिकों की अनुकूलन क्षमता, सहनशक्ति और सामरिक दक्षता में सुधार करना है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संचालन के दौरान शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और समन्वय पर विशेष बल दिया जाएगा।

इस अभ्यास के अंतर्गत, भारतीय प्रौद्योगिकी और रक्षा कंपनियां आत्मनिर्भर भारत पहल के अंतर्गत स्वदेशी उपकरणों का प्रदर्शन करेंगी, जो ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करेगा और रक्षा उत्पादन, नवाचार और आत्मनिर्भरता में भारत की बढ़ती क्षमताओं को उजागर करेगा। अभ्यास से सैन्य सहयोग को और मजबूत करने, पेशेवर संबंधों को परिपुष्ट करने और क्षेत्रीय भागीदारों के बीच सामान्य सुरक्षा चुनौतियों के लिए साझा दृष्टिकोण में योगदान देने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

महंगाई कम करने के बजाय जनता की परेशानियां बढ़ा रही सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार को सवालों के कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई कम करने के बजाय जनता की परेशानियां लगातार बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री महंगाई और आर्थिक संकट के लिए वैश्विक युद्धों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जबकि देश की अर्थव्यवस्था पहले से कमजोर स्थिति में थी।

कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष और मीडिया, सत्ता को सच्चाई दिखाने का काम करते हैं लेकिन मोदी सरकार आलोचना से डरती है। खेड़ा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में 38 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 62 प्रतिशत वृद्धि हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद पेट्रोल-डीजल के दाम नियंत्रित रखे गए थे। वहीं, मौजूदा सरकार के दौरान कच्चे तेल की कीमत कम होने के बावजूद पेट्रोल लगभग 100 रुपये प्रति लीटर तक बेचा जा रहा है।

खेड़ा ने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर की कीमत भी वर्ष 2014 की तुलना में दोगुने से अधिक स्तर तक पहुंच चुकी है। पहले 414 रुपये में मिलने वाला घरेलू गैस सिलेंडर अब 915 रुपये तक पहुंच गया है।

पवन खेड़ा ने कहा कि महंगाई का असर आम उपभोक्ताओं पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। दूध, ब्रेड और बाहर खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें बढ़ चुकी हैं तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडर भी ऊंचे दामों पर बिक रहे हैं। उन्होंने रुपये की गिरती कीमत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारतीय मुद्रा लगातार कमजोर हो रही है।

भारत टेक्स मोबाइल ऐप लॉन्च, एआई असिस्टेंट और डिजिटल सुविधाएं मिलेंगी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने 'भारत टेक्स' प्रदर्शनी में

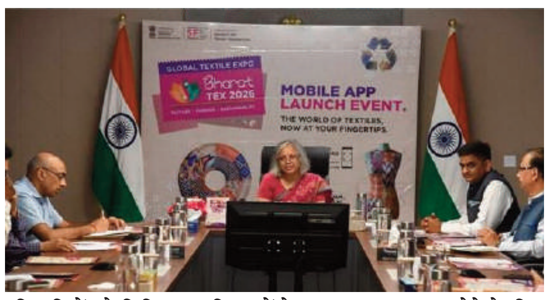

प्रतिभागियों को डिजिटल सुविधाओं के साथ सहज अनुभव देने के लिए भारत टेक्स 2026 मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप प्रदर्शनी की जानकारी, बैठकें तय करने, डिजिटल पहचान-पत्र, संपर्क विवरण संग्रह और एआई-सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने इस ऐप को बुधवार को यहां लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि ऐप प्रतिभागियों को प्रदर्शकों की खोज, बैठकें तय करने, स्थल पर दिशा-निर्देश प्राप्त करने, ज्ञान सत्रों तक पहुंचने और वास्तविक समय में अपडेट हासिल करने की सुविधा देगा।

मंत्रालय ने बताया कि ऐप की प्रमुख विशेषता एआई स्मार्ट असिस्टेंट है, जो प्रतिभागियों को 24७७ संवादात्मक मार्गदर्शन देगा। उपयोगकर्ता सरल भाषा में प्रश्न पूछकर कार्यक्रम, स्थल, समय सारणी और अन्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा नेटवर्किंग और बैठक मॉड्यूल के जरिए प्रदर्शक और खरीदार आपस में जुड़ सकेंगे तथा क्यूआर-आधारित संपर्क विवरण संग्रह सुविधा से डिजिटल पहचान-पत्र स्कैन कर जानकारी सुरक्षित कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि यहां भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले भारत टेक्स 2026 में 7,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 1,30,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुक शामिल होंगे। आयोजन में भारत की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें फाइबर, यार्न, कपड़ा, परिधान, गृह वस्त्र, तकनीकी वस्त्र, हस्तकरघा, हस्तशिल्प, सतत वस्त्र और स्मार्ट विनिर्माण तकनीकें शामिल होंगी।

भारत टेक्स 2026 का आयोजन भारत टेक्स व्यापार संगठन द्वारा किया जाएगा, जिसमें 11 वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदें और उद्योग संगठन शामिल हैं। यह आयोजन प्रधानमंत्री के 5 एफ विजन फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन से प्रेरित है और भारत को एक विश्वसनीय, सतत और नवाचार-आधारित वैश्विक वस्त्र गंतव्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

सड़कों पर नमाज यह इबादत नहीं, शक्ति प्रदर्शन, राज्य सरकारें से रोके लगायें: विहिप

नई दिल्ली, (एजेंसी) : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सड़कों पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सार्वजनिक और कानून व्यवस्था से जुड़ा विषय बताया है। संगठन का कहना है कि यह इबादत नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन का तरीका है और राज्य सरकारों को इसपर रोक लगानी चाहिए।

विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि सड़कों पर नमाज, नमाज नहीं फसाद है। यह केवल संविधान विरोधी ही नहीं है अपितु, मानवता और इस्लाम विरोधी भी है। इसके दुष्परिणामों को देखते हुए ही सात उच्च न्यायालयों ने सड़कों पर नमाज रोकने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय भी ऐसे संकेत दे चुकी है। इसका अर्थ है सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद न्यायपालिका की अवमानना भी है।उन्होंने आगे कहा कि यह केवल 5 मिनट का मामला नहीं है। दिल्ली के सभी महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर घंटे ट्रेन बाधित हो जाती थी, जब पटरियों पर बैठकर नमाज पढ़ी जाती थी। गुरुग्राम से गुजरने वाले जयपुर हाईवे पर 8-8 घंटे ट्रैफिक जाम होता था। स्कूल बसें जाम में फंस जाती थी। मासूम बच्चे बिलखते रहते थे। एंबुलेंस के फंसने के कारण मरीजों की जान पर भी बन जाती थी लेकिन, किसी नमाजी का दिल नहीं पिघलता था।डॉ जैन ने कहा कि कई हदीसों में भी सड़क पर नमाज पढ़ने के लिए मना किया है। इसलिए कई मुस्लिम देशों में भी इस पर प्रतिबंध है। किसी भी सभ्य समाज में इसको अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने पूछा कि भारत में वे यह जिद क्यों करना चाहते हैं? वे कहते हैं कि हमें मस्जिदों में जगह नहीं मिलती तो हम सड़क पर उतरते हैं। जब गुरुग्राम में 38 जगह सड़के रोक कर नमाज पढ़ी जाती थी तब, समाज को गुस्सा आया और इसे रोकने के लिए आंदोलन हुए।

उस समय मीडिया ने दिखाया था कि गुरुग्राम से 40 किलोमीटर दूर

काशी विश्वनाथ मंदिर में अवैध वसूली और गुंडई का आरोप, अधिवक्ता ने मंडलायुक्त से की कठोर कार्रवाई की मांग

वाराणसी(एजेंसी) :श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन व्यवस्था के दौरान अवैध वसूली और गुंडई का गंभीर मामला सामने आया है। गंगापुरी कॉलोनी फुलवरिया निवासी अधिवक्ता दिलीप मिश्रा ने मंडलायुक्त वाराणसी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि मंदिर परिसर में सक्रिय एक कथित दलाल गिरोह दर्शनार्थियों से जबरन पैसे वसूल कर रहा है और विरोध करने पर अभद्रता व मारपीट पर उतारू हो जाता है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, बुधवार 20 मई 2026 को प्रातः लगभग 4:15 बजे अधिवक्ता दिलीप मिश्रा नेमी दर्शन हेतु लोकल दर्शनार्थियों की लाइन में लगे थे। इसी दौरान रूपेश मौर्य नामक व्यक्ति कथित रूप से पैसे लेकर अन्य लोगों को जबरन लाइन में प्रवेश करा रहा था। विरोध करने पर उसने अधिवक्ता को लाइन से बाहर खींचने का प्रयास किया, गाली-गलौज की तथा उनकी टी-शर्ट की जेब में रखा 200 रुपये का नोट जबरन छीन लिया। आरोप है कि इस दौरान पूजा सामग्री भी गिराकर नष्ट कर दी गई।

घटना का विरोध करने पर रूपेश मौर्य के अन्य सहयोगी भी मौके पर पहुंच गए और विवाद करने लगे। अधिवक्ता का आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मी एवं मंदिर प्रशासन के कर्मचारी मूकदर्शक बने रहे, जिससे उनकी भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है।अधिवक्ता दिलीप मिश्रा ने आरोप लगाया कि उक्त गिरोह पहले भी कई श्रद्धालुओं एवं अधिवक्ताओं के साथ अभद्रता और अवैध वसूली की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। उन्होंने मंडलायुक्त से मांग की है कि 20 मई की सुबह 4:15 बजे से 4:50 बजे तक की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

साथ ही मंदिर परिसर में सक्रिय कथित दलाल गिरोह को समाप्त कर श्रद्धालुओं के लिए निष्पक्ष एवं सुरक्षित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है।

मोक्ष सदन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पुराना वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित

वाराणसी(एजेंसी) :मोक्ष सदन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आज भोजुबीर क्षेत्र स्थित पंडित दीनदयाल अस्पताल के सामने पुराना वस्त्र वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से हजारों जरूरतमंद लोगों तक उपयोगी पुराने वस्त्र पहुंचाने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती उषा रानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही मोक्ष सदन परिवार के सदस्य सेवा कार्य में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संस्था द्वारा चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग एवं पुनः उपयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से संदेश दिया गया कि, ह्लजो वस्त्र हमारे लिए अनुपयोगी हैं, वही किसी अन्य व्यक्ति के लिए लज्जावस्त्र और आवश्यकता बन सकते हैं।ह्व

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

बंद होने की कगार पर है गरगा का राष्ट्रीय ध्वज उत्पादन केंद्र

धारवाड़, (एजेंसी) : एक समय स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि, खादी आंदोलन का प्रमुख केंद्र और राष्ट्रीय ध्वज निर्माण की पहचान रखने वाला कर्नाटक का धारवाड़ जिले का गरगा गांव आज गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। देश के आधिकारिक तिरंगे के लिए हाथकरघा कपड़ा तैयार करने वाला एकमात्र बीआईएस प्रमाणित केंद्र होने के बावजूद गरगा क्षेत्रीय सेवा संघ बिक्री में गिरावट, मजदूरों की कमी और बदलते बाजार के कारण अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

धारवाड़ मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित गरगा गांव ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और खादी परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र सीमा से सटे इस गांव की पहचान कभी सामाजिक झगड़ों और नशे की प्रवृत्ति के लिए भी थी, लेकिन शिक्षा, जागरूकता और औद्योगिक विकास के कारण गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

देश में आधिकारिक तिरंगे के लिए हाथ से बुने कपड़े के उत्पादन की अनुमति प्राप्त कुछ चुनिंदा केंद्रों में गरगा भी शामिल था। महाराष्ट्र के लातूर जिले के समीप स्थित उदगीर खादी केंद्र ने उत्पादन बंद किए जाने के बाद अब गरगा ही देश का एकमात्र बीआईएस प्रमाणित राष्ट्रीय ध्वज उत्पादन केंद्र रह गया है। धारवाड़ तालुक क्षेत्रीय सेवा संघ के अध्यक्ष बसवप्रभु होस्केरी ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज निर्माण में गरगा की भूमिका ऐतिहासिक रही है, लेकिन आज पूरा खादी क्षेत्र संकट से गुजर रहा है।

बनारस क्लब पर फर्जी दस्तावेज और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित करने का आरोप, कोर्ट में धारा 379 के तहत प्रार्थनापत्र दाखिल

वाराणसी(एजेंसी) : जिला एवं सत्र न्यायालय वाराणसी में बनारस क्लब लिमिटेड के पदाधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने, धोखाधड़ी, कूट रचना और आपराधिक षड्यंत्र के गंभीर आरोपों को लेकर प्रार्थनापत्र दाखिल किया गया है।

प्रार्थी जितेन्द्र कुमार तिवारी ने विशेष न्यायाधीश एस/एसटी कोर्ट में दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि बनारस क्लब लिमिटेड के पदाधिकारियों द्वारा कथित रूप से फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक प्रक्रिया को दूषित किया गया। आवेदन में यह भी कहा गया है कि क्लब से जुड़े प्रभावशाली लोगों द्वारा सरकारी मशीनरी को प्रभावित कर विधि विरुद्ध कार्य किए जा रहे हैं।

प्रार्थनापत्र में दावा किया गया है कि क्लब से संबंधित भूमि और दस्तावेजों में हेरफेर कर गलत तथ्यों के आधार पर न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया गया। साथ ही विभिन्न पदाधिकारियों एवं अन्य सहयोगियों पर आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। प्रार्थी ने न्यायालय से इठरर की धारा 379 (पूर्व धारा 340 के तहत मामले की जांच कर उचित विधिक कार्रवाई करने की मांग की है।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली बैठक मप्र के उज्जैन में, अमित शाह बैठक के बाद देखेंगे सिंहस्थ की तैयारियां

भोपाल, (एजेंसी) :प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली (27वीं) बैठक वर्ष 2027 में उज्जैन में होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 19 मई को बस्तर में परिषद की 26वीं बैठक में इस आशय की सहमति दे दी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक लेने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारी को लेकर हो रही व्यापक नागरिक व्यवस्थाओं, मानव प्रबन्धन एवं आपदा प्रबंधन का भी मुआयना करेंगे।

मुख्यमंत्री यादव ने बुधवार को मंत्रालय में आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश नक्सल मुक्त हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक छत्तीसगढ़ के बस्तर में करके देश में नक्सलवाद की समाप्ति का जन संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से बीते सप्ताह राज्य में हुई विशेष गतिविधियों और सरकार को मिली उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की।

उन्होंने प्रदेश को नक्सल मुक्त करने में अपने शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह द्वारा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव सहित 'नक्सल उन्मूलन अभियान' में सक्रिय योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार जिले की भोजशाला परिसर को लेकर मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शांति का टापू है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नियंत्रण हमारी प्राथमिकता है। इसमें कोई ढिलाई नहीं बरती जायेगी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने करीब 750 साल पुराने और धार्मिक मसले का सकारात्मक एवं शांतिपूर्ण समाधान किया है। सरकार इस विषय से जुड़े सभी पक्षों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उच्च न्यायालय के निर्णय का पालन करायेगी। उन्होंने कहा कि मप्र सरकार मां वाग्देवी की वास्तविक प्रतिमा विदेश से स्वदेश लाने के लिए केन्द्र सरकार के साथ हर जरूरी प्रयास एवं समन्वय करेगी।

उन्होंने धान, ज्वार-बाजरा, कपास, तिल, सोयाबीन और अन्य फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने के लिए केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के किसानों को यह नई सौगात दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह हुए इंडो-फ्रांस कान्क्लेव (भारत-फ्रांस निवेश सम्मेलन) के सफल आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि हमारी सरकार फ्रांस के साथ हर क्षेत्र में मिलकर काम करेगी। फ्रांस के राजदूत थियरी माथू, इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई) की महानिदेशक पायल एस कंवर और लगभग 150 प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। इसमें भारतीय और फ्रांसीसी कंपनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राजनियक, नीति निमार्ता, शासकीय अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोमा रोपवेस, एआई वैनसिटी एण्ड मेडिकेप्स यूनीवर्सिटी, डासाल्ट सिस्टमस, सफलेट, सियस्ट्रा, एन्जी सहित विश्व के प्रमुख औद्योगिक संस्थानों के वरिष्ठ पदाधिकारियों, सीईओ-सीओओ और बहुराष्ट्रीय कंपनी प्रतिनिधियों की इस कान्क्लेव में सहभागिता मध्यप्रदेश सरकार की औद्योगिक नीतियों के प्रति दिनों-दिन बढ़ रहे वैश्विक विश्वास का प्रतीक है।

मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में राज्य सरकार के अधीन विभिन्न निगम, मंडल, बोर्ड, आयोग, प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की हाल ही में नियुक्ति की गई है।

21-05-2026 T.P. Page 8_Layout 1 21-05-2026 09:23 Page 1

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योग: कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुत: दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अत- हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नम- है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नम:, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।